बहूभाषी मासिक अख़बार

RNI NO.: UPMUL/2023/90347

सदा-ए-बुलंद

हमारी क़लम इन्साफ़ तक...

शाहजहाँपुर से प्रकशित

वर्ष :03 अंकः 12 06 शाहजहाँपुर से तीनों जुबानों हिन्दी, ऊर्दू, इंग्लिश एक साथ पहली बार शहजहाँपुर दिसम्बर 2025 पृष्ठ.8 मूल्य : 5 रूप्ये

तमकीन फातिमा का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) में वैज्ञनिक के रूप मे चयन

(अलीगढ़ – सदा ए बुलंद न्यूज)अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (AMU) की पूर्व छात्रा तमकीन फातिमा ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) में वैज्ञानिक के रूप में अपनी जगह बनाई है। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह सफलता हासिल करके उन्होंने विश्वविद्यालय के लिए एक गौरव का विषय बनी हैं।

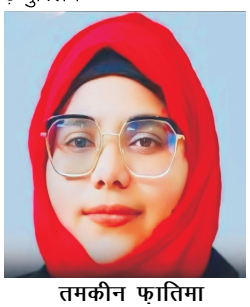

तमकीन फ़ातिमा

तमकीन फ़ातिमा का चयन वैज्ञानिक बी के पद के लिए हुआ है। उनकी यह उपलब्धि उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ–साथ कठिन परिश्रम और लगन का परिणाम है।इस सफलता के बाद AMU में खुशी का माहौल है और उन्हें बधाईयां मिल रही हैं।

टीचर ने दलित बच्चे को पीटते- पीटते कान का पर्दा फाड़ा, पैन्ट के अंदर डाला बिच्छू

(शिमला – सदा ए बुलंद न्यूज) शिमला के तीन सरकारी अध्यापक गिरफ्तार हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में सरकारी स्कूल के तीन शिक्षकों पर आठ वर्षीय दलित बच्चे को बार–बार पीटने और उसकी पैंट में बिच्छू डालने का आरोप लगा है. पिता की शिकायत पर पुलिस ने प्रधानाचार्य समेत तीनों के खिलाफ बीएनएस, एससीध्एसटी एक्ट और बाल न्याय अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है.

नई दिल्ली/ शिमला जिले के रोहरू उपमंडल के खड्डापानी क्षेत्र में स्थित एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में दलित बच्चे के साथ अत्याचार का मामला सामने आया है.समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, आठ साल के एक बच्चे के पिता की शिकायत पर स्कूल के प्रधानाचार्य समेत तीन शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.आरोप है कि शिक्षकों ने बच्चे को लगातार पीटा और एक बार तो उसकी पैंट में बिच्छू डाल दिया.

पुलिस के अनुसार, आरोपी शिक्षकों में प्रधानाचार्य देवेंद्र, शिक्षक बाबू राम और शिक्षिका कृतिका ठाकुर शामिल हैं. बच्चे के पिता ने बताया कि उनका बेटा कक्षा पहली का छात्र है और लगभग एक साल से ये तीनों शिक्षक उसे बार–बार शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे. शिकायत में कहा गया है कि लगातार पिटाई के कारण बच्चे के कान से खून बहने लगा और उसका कान का पर्दा भी फट गया. पिता ने बताया कि एक दिन शिक्षकों ने बच्चे को स्कूल के टॉयलेट में ले जाकर उसकी पैंट में बिच्छू डाल दियापुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 127(2) (अवैध रूप से कैद), 115(2) (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 351(2) (आपराधिक डराना–धमकाना), और 3(5) (साझे इरादे से अपराध) के तहत केस दर्ज किया है. इसके अलावा बाल न्याय अधिनियम (Juvenile Justice Act) के तहत भी मामला दर्ज किया गया है.

साथ ही, आरोपियों पर अनुसूचित जातिध्जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (एससीध्एसटी एक्ट) की उन धाराओं में भी मुकदमा दर्ज किया गया है, जो किसी दलित या आदिवासी व्यक्ति के साथ अपमानजनक या अमानवीय व्यवहार पर लागू होती हैं.

बच्चे के पिता ने आरोप लगाया कि शिक्षकों ने बच्चे को डराया कि अगर वह घर जाकर किसी को बताएगा, तो उसे गिरफ्तार करवा देंगे. उन्होंने यह भी कहा कि 30 अक्टूबर को प्रधानाचार्य ने उनके बेटे को स्कूल से निकालने की धमकी दी और परिवार को चेतावनी दी कि अगर मामला सार्वजनिक किया गया तो 'हम तुम्हें जला देंगे.'शिकायत में यह भी कहा गया है कि शिक्षिका कृतिका ठाकुर के पति नितीश ठाकुर पिछले एक साल से गैरकानूनी रूप से स्कूल में बच्चों को पढ़ा रहे हैं, जबकि वह स्वयं अपनी ड्यूटी नहीं निभा रही हैं.पिता ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल में जातिगत भेदभाव आम बात है, 'राजपूत बच्चों से अलग नेपाली और दलित बच्चों को खाने के समय बैठाया जाता है.'

यह घटना रोहरू क्षेत्र में पहली नहीं है: पिछले हफ्ते ही गवाना क्षेत्र के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक शिक्षक को छात्र को कांटेदार झाड़ी से पीटने के आरोप में निलंबित किया गया था. इसके पहले, लिमडा गांव में एक 12 वर्षीय दलित छात्र ने आत्महत्या कर ली थी, जब कथित ऊंची जाति की महिलाओं ने उसके 'घर में घुसने' पर उसे गोशाला में बंद कर दिया था.

हिंदू उपद्रवियों ने मिर्जापुर की जामा मस्जिद में आग लगा दी,जान बचा कर भागे इमाम

(उत्तर प्रदेश मिर्जापुर– सदा ए बुलंद न्यूज) 26 नवंबर को उत्तर प्रदेश मिर्जापुर मोची टोला मोहल्ले में स्थित जामा मस्जिद में मंगलवार की भोर में पौने तीन बजे पांच हिंदू उपद्रवियों ने आग लगा दी।मस्जिद के रास्ते से घटना के समय पीरवाजी शहीद निवासी साहिल गुजर रहा था। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। अपने भाई सागर की तलाश के लिए देर रात में निकला था। खोजबीन करने के बाद घर लौट रहा था। इस दौरान उसने मस्जिद में आग की लपट देखा। शोर मचाने के साथ ही मस्जिद में रहने वाले पेश इमाम जाहिद कादरी को आवाज देकर जगाया। दोनों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाया। साहिल ने बताया कि वह मौके से तीन युवकों को भागते हुए देखा। फजिर की नमाज के समय घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग जुट गए। आग से चौनल गेट, लकड़ी का दरवाजा और बाईं ओर स्थित हुजरे में दरी बुनने का कारखाना जल गया है। चौनल गेट पर तोड़फोड़ के निशान मिले। घटना की जानकारी मिलने पालिकाध्यक्ष मंसूर अहमद भी पहुंचे। एसडीएम राजेश वर्मा, चुनार कोतवाल विजय शंकर सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे।

सीसीटीवी कैमरे को खंगाला, पुलिस–पीएसी तैनात पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। मस्जिद के बाहर पुलिस, पीएसी बल को तैनात कर दिया गया है। पुलिस को एक प्लास्टिक का झोला और एक जोड़ी चप्पल मौके पर मिला है। सीओ सदर अमर बहादुर ने बताया कि मामले में मस्जिद के मुतवली इकबाल उर्फ गुड्डू राईन की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ उपासना स्थल का अपमान करने और विस्फोटक पदार्थ का उपयोग कर उसे जलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

देर शाम पुलिस ने पांचों आरोपी रंजीत सेठ निवासी मोची टोला, रोहित गुप्ता निवासी टेकौर, गणेश उर्फ कृष्णा निवासी गोला बाजार, प्रिंस मौर्या निवासी सद्दूपुर व रोशन निवासी गोला बाजार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब के नशे में उन्होंने घटना को अंजाम दिया। सोचने की बात है कि आज तक ऐसी घटनाएं कभी भी सामने नहीं आई हैं जो देश में अब हर दिन मस्जिद मदरसों मजारातों मकबरों पर हमले हो रहे हैं। क्या बात यही पर खत्म हो जाती है कि पांच हिंदू उपद्रवियों ने पूरी मस्जिद जला दी और उन्हें सिर्फ शराबी कहकर साधारण सी सजा देकर बात रफा दफा कर दी जाए। आज योगी का बिल्डोजर कहां,वह जुमला कहां हैं जो मुसलमानों के लिए मुख्यमंत्री बोलते हैं,कि मिट्टी में मिला देंगे..... फलां भूल गया कि शासन किसका है.... जहन्नुम पहुंचा देंगे.... कहीं न कहीं तो हमारे देश का सौंदर्यीकरण का समीकरण बदलने की कोशिश जरूर की जा रही है। ये सोचना और समझना जरूरी है।

- आखिर इन्हें ताकत और हिम्मत कहां से मिल रही है ?
- क्या अब मुस्लिम धार्मिक स्थल सुरक्षित नहीं हैं ?
- मस्जिद मदरसों मजारातों मकबरों पर आए दिन हमले घटनाएं बढ़ने की क्या वजह

दिल्ली पुलिस ने दबोचा नकली करेंसी छापने वाला गिरोह

शाहजहांपुर का टायर व्यापारी रवि अरोड़ा निकला मास्टरमाइंड 3.24 लाख के जाली नोट बरामद

रिपोर्ट – काशिफ ख़ान (सदा ए बुलंद न्यूज) दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए नकली करेंसी के एक सक्रिय रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर निवासी एक टायर व्यापारी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 3 लाख 24 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए गए हैं।

मुख्य आरोपी और भूमिकाएँ दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त सुरेंद्र कुमार ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रवि अरोड़ा (टायर व्यापारी, शाहजहांपुर) इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड है। अन्य दो गिरफ्तार व्यक्ति में विवेक मौर्या शाहजहांपुर निवासी नकली नोट छापने का काम करता था। वहीं दिल्ली के विजयनगर निवासी राकेश अरोड़ा जाली नोटों को बाजार में खपाने वाला

ह।पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि विवेक मौर्या, जो शाहजहांपुर का रहने वाला है, वहीं पर नकली नोट छापने का काम करता था। विवेक ने पूछताछ में कुबूल किया है कि वह एक दिन में लगभग 30 से 40 नकली नोट प्रिंट कर लेता था। पुलिस के आकलन के अनुसार, यह गिरोह इस गति से एक महीने में करीब 6 से 7 लाख रुपये के नकली नोट तैयार कर लेता था। संयुक्त पुलिस आयुक्त के मुताबिक, मास्टरमाइंड रवि अरोड़ा अप्रैल माह से ही अपने साथी विवेक मौर्या के साथ मिलकर यह अवैध धंधा संचालित कर रहा था। गिरोह के तीसरे सदस्य राकेश अरोड़ा की भूमिका जाली नोटों को बाजार में उतारने की थी। राकेश 'फ्रंटलाइन वर्कर' के रूप में काम करता था। वह 5 हजार रुपये के असली नोटों के बदले 10 हजार रुपये की फेक करेंसी लेता था और उसे आगे लोगों तक पहुँचाता था। पुलिस टीम अभी इस मामले में और नकली करेंसी बरामद करने और गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुँचने के लिए जांच कर रही है।

संपादक की कलम से...

बहार मोहम्मद उर्फ शेख़ मौलाना शाही बहार-ए-आलम कादरी रिज़वी

देश का मुसलमान शक के दायरे के फंदे पर झूलता हुआ (इस्लामोफोबिक पूर्वाग्रह)

(सदा ए बुलंद न्यूज)
जब आतंकी हमलों की बात आती है तो भारत के खुफिया तंत्र और जांच एजेंसियों ने बार–बार इस्लामोफोबिक पूर्वाग्रह का प्रदर्शन किया है. सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि भारत के लगभग आधा पुलिस बल सोचता है कि मुसलमान में अपराध करने कि ष्स्वाभाविक प्रवृत्ती" है. टाटा ट्रस्ट के एक अध्ययन से पता चला है कि केवल तीन से चार प्रतिशत भारतीय पुलिस कर्मी मुस्लिम थे और यह संख्या पुलिस पदानुक्रम में और भी कम होने की संभावना है. टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ 2014 के एक साक्षात्कार में, मुंबई एटीएस प्रमुख हिमांशु रॉय ने स्वीकार किया कि उनकी टीम में केवल दो प्रतिशत मुस्लिम थे।

18 फरवरी 2007 को समझौता एक्सप्रेस की दो बोगियों में बम धमाका हुआ, यह रेल भारत और पाकिस्तान को जोड़ने वाले दो रेल संपर्कों में से एक थी. इन धमाकों में 68 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पाकिस्तानी नागरिक थे. हरियाणा पुलिस ने शुरू में माना कि हमले के पीछे एक इस्लामी संगठन का हाथ है. इसने हमले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया, जिसका नेतृत्व विकास नारायण राय ने किया. एसआईटी ने जल्द ही ट्रेन से बरामद एक गैर–विस्फोटित बम को डिफ्यूज करना शुरू कर दिया और खोजी गई वस्तुओं की उत्पत्ति का पता लगाना शुरू कर दिया. उन्हें मिली लगभग हर वस्तु यानी जिस बैग में बम रखा गया था, अखबार और बम में इस्तेमाल की गई बैटरी, का संबंध मध्य प्रदेश के इंदौर से था. विस्फोट के बाद सबसे पहले जिन लोगों से पूछताछ की गई, उनमें सिमी महासचिव सफदर नागोरी थे. राय ने शुरू में तर्क दिया था कि इंदौर सिमी के संचालन के लिए बदनाम था लेकिन इंदौर हिंदू चरमपंथी संगठनों का भी एक प्रमुख केंद्र था।

राय ने मुझे बताया, "जब समझौता की घटना हुई, तो हमने भी सोचा कि किसी इस्लामी समूह ने इसे किया है, पुलिस में हममें से कुछ तुरंत इसको मान बैठे, जैसे मक्का मस्जिद मामले में भी हुआ था. ष्लगभग दस दिनों में, हमने महसूस किया कि यह इस्लामी आतंकवादी समूह के लोग नहीं थे.ष हरियाणा पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने मुझे बताया कि मध्य प्रदेश में स्थानीय पुलिस, जो बीजेपी शासित थी, उनकी मदद के लिए आगे नहीं आ रही थी. ष्जांच एक बिंदु से आगे ही नहीं बढ़ रही थी.''

समझौता हमले के डेढ़ साल बाद मध्य मालेगांव में खड़ी एक बाइक पर लगे बम में विस्फोट हो गया. दोबारा जांच के लिए एटीएस को बुलाया गया. इसका नेतृत्व उस समय हेमंत करकरे ने किया था, जिन्होंने पहले भारत की विदेशी–खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग में काम किया था. विस्फोट के एक दिन बाद करकरे और राज्य के उपमुख्यमंत्री आर आर पाटिल मालेगांव पहुंचे. उनका स्वागत न्याय से नाउम्मीद मुसलमानों ने विरोध और अविश्वास के बीच किया. इस स्वागत के बाद, करकरे ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, ष्मैंने अपने आदमियों से कहा कि हमें इस मामले को बहुत निष्पक्ष रूप से आगे बढ़ाना है और इस धारणा से शुरू नहीं करना है कि इस समुदाय या उस समुदाय के लोग जिम्मेदार हो सकते हैं.''

करकरे की टीम को अगले महीने इस मामले में पहला ब्रेक मिला. जिस एक मोटरसाइकिल में बम था उसका रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर मिटा दिया गया था. नासिक में एक फोरेंसिक लैब ने पाया कि बाइक मूल रूप से साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के नाम से पंजीकृत थी. उसे पूछताछ के लिए मुंबई में एटीएस कार्यालय आने के लिए कहा गया था, जिसके दौरान उसने बाद में आरोप लगाया कि उसे हिरासत में हिंसा का सामना करना पड़ा.

असीमानंद का नाम भी सामने आया. असीमानंद पहले आरएसएस की आदिवासी शाखा वनवासी कल्याण आश्रम का राष्ट्रीय प्रमुख था और यह नाम ठाकुर के साथ सबसे हाई–प्रोफाइल नामों में था, जो 2007 और 2008 में पांच राज्यों में सात बम विस्फोटों से जुड़ा था. इन्हें अभिनव भारत नेटवर्क ने कथित तौर पर अंजाम दिया था. इनमें कुल 119 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश मुस्लिम थे. मालेगांव विस्फोट में बम ठाकुर के नाम से पंजीकृत मोटरसाइकिल पर एक मस्जिद के बाहर रखा गया था. असीमानंद ने कथित तौर पर प्रशिक्षण शिविरों में भी भाग लिया था, जिसमें उसने और अन्य आरोपियों ने हमलों की योजना बनाई थी और बम बनाने और हथियारों का इस्तेमाल करना सीखा था।

अगले दो महीनों में, एटीएस ने दो और गिरफ्तारियां कीं रू सेना की खुफिया शाखा में लेफ्टिनेंट कर्नल एस पी पुरोहित और धर्मगुरु दयानंद पाण्डेय. गिरफ्तारी और ठाकुर के प्रताड़ना के आरोपों के बाद, आरएसएस और बीजेपी, जिन्होंने शुरू में संदिग्धों के साथ अपने संबंध से इनकार किया था, ने उनका बचाव करना शुरू कर दिया. शिवसेना ठाकुर को कानूनी सहायता देने पर सहमत हो गई, जो बीजेपी द्वारा समर्थित एक कदम था. 2009 के आम चुनाव में बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार लालकृष्ण आडवाणी ने मांग की कि एटीएस टीम को बदला जाए और हिरासत में हिंसा के आरोपों की न्यायिक जांच की जाए।

करकरे अपनी जांच पर कायम रहे. ष्मुझे नहीं पता कि यह मामला इतना राजनीतिक क्यों हो गया है,ष उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस को बताया. ष्दबाव जबरदस्त है और मैं सोच रहा हूं कि इस सारी राजनीति से कैसे निकला जाए.ष उन्होंने कहा कि निष्कर्ष निकालते समय उनकी टीम दुगनी सावधानी बरत रही थी, लेकिन सभी सबूत एक तरफ इशारा करते हैं. "वास्तव में, जब हम किसी संदिग्ध से पूछताछ करना चाहते हैं और यदि उसके हिंदुत्ववादी संबंध हैं, तो हम एक बार, दो बार, तीन बार सुनिश्चित करते हैं कि हमारे पास उनसे सवाल करने के लिए पर्याप्त कारण और सबूत हैं. अमूमन ऐसा नहीं होता है, हम किसी पर भी संदेह करने के लिए और स्वतंत्र रूप से पूछताछ करने में सक्षम हैं.''

26 नवंबर के हमले में करकरे की गोली मार कर हत्या होने के बाद एटीएस के प्रयास रुक गए. इस संक्षिप्त अवधि में, एटीएस यह पता लगाने में सक्षम थी कि बमबारी हिंदू आतंकवादियों की एक बड़ी साजिश से जुड़ी थी और यह हो सकता था कि वही समूह इसी तरह के अन्य हमलों में भी शामिल था. 2006 और 2008 के मालेगांव विस्फोटों के साथ–साथ समझौता विस्फोटों की तीन जांच–पड़ताल दो वर्षों से रुकी हुई थी।

जनवरी 2017 में एनआईए ने सिफारिश की कि ठाकुर को जमानत दी जाए. दो साल बाद, वह बीजेपी के टिकट पर सांसद चुनी गईं. ऐसी बहुत सी घटनाएं देश में गुमशुदा हैं जिसमें कोई भी घटना हुई मुसलमानों को शक के दायरे में पकड़ा गया और जेल भी भेजा गया कुछ साल बाद उच्च न्यायालय में उन्हें निर्दोष करार देते हुए बाइज्जत रिहा कर दिया।

पांच हिंदू उपद्रवियों ने मिर्जापुर की जामा मस्जिद में आग लगा दी:26 नवंबर को मिर्जा पुर मोची टोला मोहल्ले में स्थित जामा मस्जिद में मंगलवार की भोर में पौने तीन बजे पांच हिंदू उपद्रवियों ने आग लगा दी।

मस्जिद के रास्ते से घटना के समय पीरवाजी शहीद निवासी साहिल गुजर रहा था। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। अपने भाई सागर की तलाश के लिए देर रात में निकला था। खोजबीन करने के बाद घर लौट रहा था। इस दौरान उसने मस्जिद में आग की लपट देखा। शोर मचाने के साथ ही मस्जिद में रहने वाले पेश इमाम जाहिद कादरी को आवाज देकर जगाया। दोनों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाया। साहिल ने बताया कि वह मौके से तीन युवकों को भागते हुए देखा। फजिर की नमाज के समय घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग जुट गए। आग से चौनल गेट, लकड़ी का दरवाजा और बाईं ओर स्थित हुजरे में दरी बुनने का कारखाना जल गया है। चौनल गेट पर तोड़फोड़ के निशान मिले। घटना की जानकारी मिलने पालिकाध्यक्ष मंसूर अहमद भी पहुंचे। एसडीएम राजेश वर्मा, चुनार कोतवाल विजय शंकर सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे।

सीसीटीवी कैमरे को खंगाला, पुलिस–पीएसी तैनात

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। मस्जिद के बाहर पुलिस, पीएसी बल को तैनात कर दिया गया है। पुलिस को एक प्लास्टिक का झोला और एक जोड़ी चप्पल मौके पर मिला है। सीओ सदर अमर बहादुर ने बताया कि मामले में मस्जिद के मुतव्वली इकबाल उर्फ गुड्डू राईन की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ उपासना स्थल का अपमान करने और विस्फोटक पदार्थ का उपयोग कर उसे जलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

देर शाम पुलिस ने पांचों आरोपी रंजीत सेठ निवासी मोची टोला, रोहित गुप्ता निवासी टेकौर, गणेश उर्फ कृष्णा निवासी गोला बाजार, प्रिंस मौर्या निवासी सद्दूपुर व रोशन निवासी गोला बाजार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब के नशे में उन्होंने घटना को अंजाम दिया। सोचने की बात है कि आज तक ऐसी घटनाएं कभी भी सामने नहीं आई हैं जो देश में अब हर दिन मस्जिद मदरसों मजारातों मकबरों पर हमले हो रहे हैं। क्या बात यही पर खत्म हो जाती है कि पांच हिंदू उपद्रवियों ने पूरी मस्जिद जला दी और उन्हें सिर्फ शराबी कहकर साधारण सी सजा देकर बात रफा दफा कर दी जाए। आज योगी का बिल्डोजर कहां,वह जुमला कहां हैं जो मुसलमानों के लिए मुख्यमंत्री बोलते हैं,कि मिट्टी में मिला देंगे..... फलां भूल गया कि शासन किसका है.... जहन्नुम पहुंचा देंगे.... कहीं न कहीं तो हमारे देश का सौंदर्यीकरण का समीकरण बदलने की कोशिश जरूर की जा रही है। ये सोचना और समझना जरूरी है।

शाहजहांपुर में सूफी सिलसिले के बुजुर्ग हाजी पीर जाकिर अली मियां का इंतिकाल

(शाहजहांपुर– सदा ए बुलंद न्यूज) सूफी सिलसिले के मशहूर बुजुर्ग हाजी पीर जाकिर अली मियां चिश्ती निजामी (मशहूर नाम कुंवारे मियां) का शनिवार की सुबह इंतिकाल हो गया। आपकी उम्र तक़रीबन 85 साल थी पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। शनिवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों द्वारा इलाज के लिए बरेली ले जाया गया था जहाँ इलाज के दौरान सुबह 7रू30 बजे आपने दुनिया को अलविदा कहा,,

इंतिकाल की खबर फैलते ही पूरे शहर में गम और सदमे की लहर दौड़ गई आपके निवास स्थान के बाहर आपके चाहने वालों और मुरीदैन की एक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई।और मुंबई, जबलपुर, बहराइच, लखनऊ, दिल्ली, मुरादाबाद, बरेली, पीलीभीत समेत देश के कई हिस्सों से उनके मुरीद और चाहने वालों का अंतिम दीदार के लिए शाहजहांपुर पहुंचने का सिलसिला जारी हो गया। मोहल्ला निसरजई जलालनगर में देर रात पूरे इज्जत और अहतराम के साथ आपको सुपुर्द–ए–ख़ाक किया गया।

इस मौके पर हाजी अब्दुल राजिक खां, हाजी वसीम, हाजी अनीस अत्तारी, आरिफ सिद्दीकी, हाजी शहिद, फैसल फैज के अलावा बड़ी संख्या में मुरीद व अकीदतमंद मौजूद रहे।

आप अपने नेक अख़लाक, दरवेशाना अंदाज और इंसानियत की तालीम के लिए पूरे सूफी तबके में बेहद सम्मानित माने जाते थे। आप जिंदगी भर लोगों को अमन, मोहब्बत भाईचारे और इंसाफ का पैगाम देते रहे। आपके दरवाजे हर तबके, हर मजहब के लोगों के लिए दिन रात खुलें रहते थे कोई भी जरूरतमंद कभी आपके दरवाजे से मायूस नहीं लौटा। अपने पीछे पत्नी निगार फातिमा, तीन बेटे जनाब अजमल मियां चिश्ती निजामी और जुनैद खान व उवैस खान के अलावा तीन शादी शुदा बेटियों का भरा–पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

पीर ज़ाकिर अली मियाँ

आपके इंतिक़ाल से न सिर्फ शाहजहांपुर बल्कि पूरे प्रदेश के सूफी तबक़े में गहरा सदमा है। आपके जानशीं जनाब अजमल मियां चिश्ती निजामी ने कहा कि "आपने अपनी पुरतासीर दुआओं की बदौलत जिंदगी के तमाम मसाइल और रंजो गम में हर जरूरतमंद कि रहनुमाई फरमाई है, आज आप हमारी आंखों से ओझल हो गए हैं लेकिन आपकी दुआओं का सायबान हमारे सर पर बरकरार है और आप हमारे दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे आपकी यादें तालीम तरबियत और पैगाम हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगे।

हजरत टीपू सुल्तान को खिराज ए अकीदत

(सदा ए बुलंद न्यूज) महाराष्ट्र के अकोला रेलवे स्टेशन पर हजरत टीपू सुल्तान शेर ए मैसूर को खिराज ए अकीदत पेश की गई

टीपू सुल्तान (Tipu Sultan) मैसूर के शासक थे। उनका पूरा नाम सुल्तान फतेह अली साहब टीपू था। उन्होंने 1782 से 1799 तक शासन किया। उनके वालिद का नाम हैदर अली था। उन्हें श्मैसूर के बाघश (शेर ए मैसूर) के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने हमेशा अंग्रेजों का कड़ा विरोध किया और मैसूर को उनके शासन से बचाकर रखा। उनकी शहादत 4 मई 1799 को श्रीरंगपट्टनम में ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ते हुए हुई

ख़ास ख़बरें/ आर्टिकल

आज का किसान: अभिनेता की नजर से

अभिनेत्रा/लेखक
मज़हर हुसैन ख़ाँ

(सदा ए बुलंद न्यूज)सुबह की पहली किरणें खेतों की मिट्टी पर गिर रही हैं। हल की सरसराहट, पसीने की बूंदें, ल में चमकते ाथ मैं खड़ा हूँ, और मेरे सामने आज का किसान। लेकिन उसकी आँखों में केवल मेहनत और उम्मीद नहीं है, बल्कि दर्द और चिंता भी है। मैं, मजहर हुसैन खान, एक अभिनेता होने के नाते, इसे महसूस करता हूँ। पर्दे पर कितनी भी भूमिका निभा लो, यह सजीव अनुभव, यह असली संघर्ष, उसे महसूस किए बिना नहीं आता।

मेरे खानदान का इतिहास भी मिट्टी और खेती से जुड़ा रहा है। हमारे दादा–दादी, नाना नानी ने पीढ़ियों तक इसी मिट्टी में मेहनत की। मैं जब उनके खेतों में चलता हूँ, हल की सरसराहट सुनता हूँ, बीज बोते हुए किसान की मुद्रा देखता हूँ, तो महसूस करता हूँ कि यही असली संघर्ष है। आज का किसान उसी मिट्टी से जुड़ा है, मगर उसकी चुनौतियाँ पहले से कहीं ज्यादा हैं।

किसान की सुबह सूरज से पहले शुरू होती है। हल चलता है, बीज बोता है, फसल की जुताई करता है। उसके हाथ कठोर हैं, पीठ झुकी है, पर आँखों में उम्मीद की चमक है। मगर उसके चेहरे पर चिंता की रेखाएँ भी हैं। फसल में कीट, मौसम की बेरुखी, बाजार में घटते भाव यह सब उसके लिए रोजमर्रा का दुःस्वप्न है। और इसके ऊपर जो सरकार की योजनाएँ हैं, जिनका वादा उसे किया जाता है, वह अक्सर कागजों में ही रह जाती हैं। अनाज का उचित मूल्य न मिलना, कर्ज का बोझ, सरकारी फसल बीमा की झूठी योजनाएँ यह सब उसके कंधों पर भारी बोरियों की तरह पड़े हैं। मैं उसे देखता हूँ और महसूस करता हूँ कि पर्दे के किसी दृश्य में भी इतनी कड़वाहट और वास्तविक दर्द नहीं दिखाया जा सकता।कई बार मैं उसके पास खड़ा होकर देखता हूँ कि वह हल चला रहा है, पसीना बहा रहा है, और सोच रहा है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे कब मिलेगा। उसके हाथ मिट्टी में गड़े हैं, लेकिन मन उसके परिवार की चिंता और सरकार के धोखे से परेशान है। उसके बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें, कर्ज का बोझ सब कुछ उसके कंधों पर है। कभी–कभी मैं खुद से कहता हूँ, "कितना साहस और संयम चाहिए इस आदमी को, जो हर दिन धोखे, मुश्किलों और बेरुखी के बीच खड़ा रहता है।"आज का किसान केवल मेहनत ही नहीं करता, वह सीखता भी है। वह मोबाइल और इंटरनेट से मंडियों के भाव जानता है, सरकारी योजनाओं की जानकारी जुटाता है, और फिर भी अक्सर धोखा खा जाता है। फसल का मोल, बीज और उर्वरक का सही दाम, कर्ज का उचित मुआवजा कृ सब कुछ उसके हाथ से फिसल जाता है। और इसके बावजूद वह हार नहीं मानता। उसकी पीठ झुकी हो सकती है, लेकिन उसका हौसला सीधे आसमान तक उठता है।

मैं उसके साथ खेत में कुछ पल खड़ा होकर सोचता हूँ। हल के हर झटके की आवाज, पसीने की बूँदें, सूरज की गर्मी और मिट्टी की सरसराहट –सब कुछ मेरी आँखों के सामने जीवंत है। उसकी आँखों में दर्द है, पर उम्मीद भी है। "ये ही लोग हैं, जिनके बिना हमारा देश नहीं खड़ा हो सकता," मैं खुद से कहता हूँ। "इनकी मेहनत, इनका साहस, और उनके साथ होने वाला धोखा कृ यह सब हमें याद रखना चाहिए।"शहर के लोग इसे नहीं समझ सकते। उनकी दुनिया डिजिटल और आराम की है। मगर किसान की दुनिया, हल की सरसराहट, धूप और बारिश, मिट्टी और बीज कृ यही असली रंग हैं। और मैं, मजहर हुसैन खान, जब उसे देखता हूँ, तो सीखता हूँ कि असली शक्ति मेहनत, धैर्य और त्याग से आती है, और दर्द और धोखा झेलने की क्षमता से भी।किसान का संघर्ष केवल व्यक्तिगत नहीं हैय यह सामाजिक और राष्ट्रीय भी है। अगर किसान कमजोर होगा, तो देश कमजोर होगा। उसका ज्ञान, अनुभव और मिट्टी से जुड़ाव हमारे देश की नींव हैं। और जब उसे धोखा मिलता है, सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलता, तो यह केवल उसके लिए नहीं, पूरे समाज के लिए नुकसान है।

किसान की कहानी केवल आर्थिक नहीं है। यह सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय कहानी भी है। उसका बलिदान, त्याग, समर्पण और सामना किए गए धोखे कृ यह हमें याद दिलाते हैं कि असली हीरो वही है जो बिना कैमरे, बिना पुरस्कार के, केवल अपनी जिम्मेदारी निभाकर, मिट्टी से उठकर आसमान तक पहुँचता है।किसान की कहानी हमें याद दिलाती है कि असली जीवन केवल सुविधाओं में नहीं, बल्कि संघर्ष, धैर्य, निष्ठा और आशा में है। मिट्टी से उठकर आसमान तक पहुँचने की उसकी कोशिश हमें भी अपने जीवन में ऊँचाई हासिल करने की प्रेरणा देती है।

मैं अक्सर सोचता हूँ कि पर्दे पर जितनी किरदार की तैयारी करते हैं, उतनी मेहनत आज का किसान हर दिन बिना किसी देख–रेख के करता है। मिट्टी से उठकर, सूरज की गर्मी में पसीना बहाता है, अपनी पीठ झुकाता है, और हर दिन उम्मीद और साहस के साथ खड़ा रहता है।इसलिए मैं हमेशा कहता हूँ कृ आज का किसान केवल खेतों तक सीमित नहीं है। वह हमारे सपनों की नींव है, हमारे अन्न का संरक्षक है, और हमारी संस्कृति और पहचान का हिस्सा है। उसका जीवन, संघर्ष, दर्द और उसके साथ होने वाले धोखे कृ यह सब हर भारतीय के दिल में सम्मान और प्रेरणा का संदेश देता है।

मिट्टी से उठकर आसमान तक पहुँचने वाले यही लोग हैं ।आज के हमारे किसान।

सदा ए बुलंद अखबार की जन सेवा नुक्कड़ मीटिंग हुई कामयाब

(शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज)

राष्ट्रीय पत्रकार सेकुलर सुरक्षा यूनियन परिषद के मेम्बर्स पदाधिकारी उपस्थित

जन जन की समस्याओं को सुना गया सायं को सदा ए बुलंद अखबार टीम की नुक्कड़ मीटिंग ग्राम देवरिया मुहम्मदी रोड़ में आम लोगों के बीच मुख्य संपादक आलम लोगों से कहा कि पत्रकार बड़ी सामना और जब सच्चाई क़लम के ताक़ आम ईमानदार पत्रकारों को मनोबल बढाऐ। और नई पीढ़ी को अखबारों मैगजीन और किताबों से रुचि रखने की बहुत आवश्यकता है। सदा ए बुलंद अखबार की टीम पूरे देश में आम जनता की समस्याओं और जटिल मुद्दों पर गंभीरता से कार्य कर रही है। आगे भी जारी रहेगी। आयोजन में बड़ी तादाद में आम लोग और पत्रकार शामिल रहे।

रखी । जिसमें अतिथि प्रधान –शेख़ बहार ए कादरी रजवी ने संबोधित होते हुए इंमानदार हर वक्त बहुत चुनौतियों का करना पड़ता है। वह बुराइयों को का आइना अपनी दम से दिखाते हैं लाजमी है कि जनता भी सच्चे

टीम की बैठक कामयाब संपन्न हुई और आपको बता दें की हजरत शेख़ शाही ने लोगों से समस्याओं के बारे में पूछा एवं ग्राम समस्याओं के बारे में पूछा सभी सम्मानित पदाधिकारी एवं पत्रकार मौके पर मौजूद रहे। यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष –अनीस खां, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष–अमान खां,अमीर क्राइम ब्यूरो चीफ जनीफ, संपादक – कदीर ख़ान,पत्रकार इश्तिख़ार बेग, रेहान दानाई,नरेंद्र राणा,वसीम, इमरान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नबी सलमान जिला अध्यक्ष शीबा खान, जिला मंत्री–रिजवान रचित, अरविंद संजीत सिंह, ओंकार ओंकार, वैभव सिंह, दानिश आदि काफी बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कुदरत बदली है या इंसानों के अम्ल,साइंस से कितने फायदे और कितने नुकसान....

(सदा ए बुलंद न्यूज)

रिपोर्ट – कामरान अली

हजारों सालों से अनपढ़ नाई बच्चे का खतना करते आ रहे हैं।किसी ने बच्चे का अंग नहीं काटा गुजरात के मशहूर सर्जन ने बच्चे का अंग काट दिया। हजारों सालों से अनपढ़ दाइयाँ जचगी से करोड़ों बच्चे नॉर्मल पैदा करवा चुकी हैं.

फिर पढ़ी–लिखी डॉक्टरें आईं और औरतों का पेट चीरकर बच्चे पैदा करने लगीं।

हजारों सालों से अनपढ़ जर्राह (पहलवान) टूटी हड्डियों को ठीक करते और जोड़ते आ रहे हैं.

फिर ऑर्थोपेडिक सर्जन आ गए. और लोगों की टांगें और पैर काटने शुरू कर दिए। हजारों सालों से लोग सुरमा लगाते आ रहे थे. और 90 साल तक बिना चश्मे के देखते थे. फिर पढ़े–लिखे डॉक्टर आई स्पेशलिस्ट आ गए और 5 साल के बच्चों को चश्मा लग गया।

हजारों साल से लोग मनों के हिसाब से गुड़ खाते आ रहे हैं. और फुटपाथ पर बैठे अनपढ़ बंदे से दांत लगवाते रहते थे। किसी को कैंसर नहीं

हुआ. आज लाखों रुपये लगाकर आधुनिक मशीनरी से इलाज होता है. और फिर भी दांतों का कैंसर बन जाता है. हजारों सालों से गुर्दे और पित्त की पथरी को हकीम एक पुड़िया से निकाल लेते थे. अब सबसे आधुनिक तकनीक से पथरी के साथ गुर्दा और पित्त ही निकाल लिया जाता है।

हजारों सालों से बच्चे माँ का दूध या ऊपर वाला गाय भेंस बकरियों का दूध पीते आए हैं और बिना डिब्बे के सेहतमंद रहे हैं. माशाअल्लाह. लेकिन अब डिब्बा लगा दिया गया है. जो माता–पिता के लिए बोझ बन चुका है. और कंपनियों के लिए चाँदी।अब मेडिकल साइंस ने क्या तरक्की की है. ? समझ से बालातर है. हर सरकारी व प्राइवेट हॉस्पिटल में पाँव रखने की जगह नहीं. 1 साल के बच्चे से लेकर 90 साल तक सब मरीज बने हुए हैं...

उत्तर प्रदेश के मदरसे अवैध नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला ख़ारिज किया

(नई दिल्ली– सदा ए बुलंद न्यूज)

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम–2004 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा, यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करते।शीर्ष अदालत ने कहा, मदरसा शिक्षा अधिनियम का उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करना है, जो राज्य सरकार के सकारात्मक दायित्व के अनुरूप है। कोर्ट ने कहा कि मदरसा अधिनियम के तहत छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए दी जाने वाली कामिल और फाजिल (ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन) की डिग्री वैध नहीं है क्योंकि यह यूजीसी अधिनियम के खिलाफ है। **बड़ी पीठ का बड़ा अहम् फैसला:**मुख्य न्यायाधीश डी.वाई चंद्रचूड, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 22 मार्च, 2024 के फैसले को रद करते हुए यह टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने अधिनियम को असंवैधानिक बताते हुए राज्य के सभी मदरसे बंद करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यूपी के मदरसों में पढ़ने वाले 12 लाख से अधिक छात्रों और हजारों शिक्षकों को राहत मिली। कोर्ट ने 70 पन्नों के फैसले में कहा कि संविधान के मूल ढांचे के उल्लंघन के आधार पर कानून रद्द नहीं किया जा सकता।

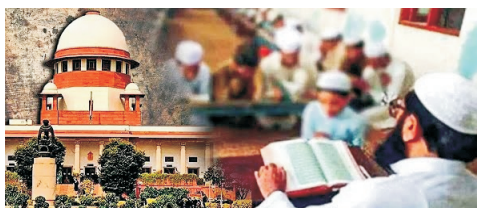

हाईकोर्ट ने बड़ी भूल की थी: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह मानकर बड़ी भूल की, कि यदि अधिनियम मूल ढांचे का उल्लघंन करता है, तो उसे पूरी तरह से रद किया जाना चाहिए। किसी कानून को तभी रद्द कर सकते हैं, जब वह संविधान के भाग–3 के तहत मौलिक अधिकारों या विधायी क्षमता से संबंधित प्रावधानों का उल्लघंन करता हो।मदरसा शिक्षा की व्यवस्थित करना था। इसमें मदरसा शिक्षा को अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामी अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा। दर्शन और अन्य विषयों की शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है। मदरसा शिक्षा बोर्ड स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री देता है। इनको क्रमशः कामिल और फाजिल कहा जाता है।

सरकारें हर निजी संपत्ति नहीं ले सकतीं: सुप्रीम कोर्ट के नौ जजों की संविधान पीठ ने मंगलवार को अहम फैसले में कहा कि सरकार के पास सभी निजी संपत्तियों को अधिग्रहित कर उसका पुनर्वितरण करने का अधिकार नहीं है।32 साल से लंबित इस मामले में संविधान पीठ ने 712 के बहुमत से फैसला दिया। संविधान पीठ ने कहा नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने बहुमत से सुनाया फैसला 32 साल से लंबित मामले में आया ऐतिहासिक निर्णयकि कुछ निजी संपत्तियां अनुच्छेद 39 (बी) के अंतर्गत आ सकती हैं, बशर्ते वेश भौतिक संसाधनश व श्समुदाय केश होने की योग्यताएं पूरी करती हों। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि निजी संपत्ति को समुदाय के भौतिक संसाधन के रूप में योग्य बनाने के लिए उसे कुछ परीक्षणों को पूरा करना होगा। संविधान पीठ ने कहा, कोर्ट द्वारा विकसित सार्वजनिक ट्रस्ट सिद्धांत भी उन संसाधनों की पहचान में मदद कर सकता है जो समुदाय के भौतिक संसाधन के दायरे में आते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने एक फैसला खुद और छह अन्य जजों की ओर से लिखा है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने अलग लिखे अपने फैसले से आंशिक सहमति दी व न्यायमूर्ति धूलिया ने असहमति जताई।

> " संविधान के मूल ढांचे के उल्लंघन के लिए किसी कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती नहीं दी जा सकती। यदि धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के उल्लंघन के लिए कानून को चुनौती दी भी जाती है तो यह दिखाना जरूरी है कि कानून धर्मनिरपेक्षता से संबंधित संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करता है।" डी. वाई, चंद्रचूड़, (मुख्य न्यायाधीश)

यूपी में कुल मदरसे 13,364
कुल छात्र 12,34,388

एक नज़र में

AIMIM पार्टी का हाथ थामने के लिए नौजवानों की लगी होड़

(शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज) **AIMIM** पार्टी में अब युवाओं का रुझान काफी बढ़ रहा है युवा चाहते हैं कि अपना लीडर ऐसा होना चाहिए जो संविधान की ताकत से पीड़ितों गरीबों बेबसों को उनका हक दिलाया जा सके। एम् आई एम् आई एम् की चीफ असदुद्दीन ओवैसी हमेशा दुसरों के हक़ की बात करते हैं। इस बीच शाहजहांपुर मोहल्ला मोहम्मद जई में नुक्कड़ सभा का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सपा छोड़कर पंउपउ पार्टी का थामा दामन जिला अध्यक्ष नासिर खान ने असीम को वॉर्ड अध्यक्ष मोहम्मद जई आमिर को बूथ अध्यक्ष नियुक्त किया जिसमें जीशान खान, आमिर पठान,शाहजेब फैजान खान, शमशुल लका ई०जमन। कदीम खान, मशकूर,शाहजेब, आरिफ, शाहनवाज, जमाल कुरेशी आदि शामिल है।

10 साल में दिल्ली में1.8 से अधिक बच्चे लापता

(दिल्ली –सदा ए बुलंद न्यूज) बच्चों के लापता होने के मामले में दिल्ली के आंकड़े डरा रहे हैं। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार पिछले 10 साल में राष्ट्रीय से अधिक बच्चे 50000 से अधिक का पाया है। आंकड़े लड़कों की तुलना में लापता होती हैं।

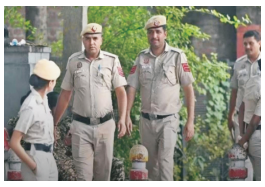

राजधानी में 1.8 लाख लापता हुए हैं। इनमें से अभी तक पता नहीं चल बताते हैं कि हर साल ज्यादा लड़कियां

जय बजरंग बली का नारा बना मस्जिद मदरसों की तोड़फोड़का लाइसेंस

स्वामी प्रसाद मौर्य

(सदा ए बुलंद न्यूज) उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और अपनी जनता पार्टी के प्रमुख स्वामी प्रसाद मौर्य ने विवादित बयान देकर नया बवाल खड़ा कर दिया है. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि आज धर्म के कुछ ठेकेदार आतंकवाद के रास्ते पर चल पड़े हैं. उन्होंने कहा कि जय श्रीराम और जय बजरंग बली का नारा आज मस्जिदों, मदरसों और ईदगाहों में तोड़फोड़ का लाइसेंस बन गया है.

दाढ़ी टोपी वाले अधिकतर ऐसे ही होते हैं

(सदा ए बुलंद न्यूज) गोधरा में रिक्शा से यात्रा करते समय रीटा बहन पटेल गलती से अपना बैग फरदौस भाई की रिक्शा में भूल गईं उस बैग में लगभग 5 तोला सोने के दागिने और कुछ रुपये थे। एक कार्यक्रम के दौरान हॉल पहुँचने पर उन्हें याद आया कि बैग तो रिक्शा में ही रह गया है।

उधर, फरदौस भाई की नजर जब बैग पर पड़ी, तो उन्होंने बिना देर किए बैग को सुरक्षित रखा। लगभग 30 मिनट बाद वे खुद रीटा बहन को ढूँढते हुए हॉल पहुँचे और बैग उन्हें लौटा दिया। रीटा बहन ने आभार स्वरूप 10,000 रुपये देने की कोशिश की, पर फरदौस भाई ने लेने से मना कर दिया।

इस नेकदिली और ईमानदारी की घटना के बाद हिंदू परिवार ने अपने मुस्लिम भाई फरदौस की खूब प्रशंसा की यही है सच्चे ईमान और अमानतदारी की असली पहचान।

सामुहिक मुसलमानों ने गौ मूत्र पीकर हिंदू धर्म अपनाया

(मध्यप्रदेश –सदा ए बुलंद न्यूज) मध्य प्रदेश के जबलपुर में श्घर वापसीश का एक बड़ा मामला सामने आया है. यहां अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद (AHP) और राष्ट्रीय बजरंग दल (RBD) ने मिलकर 15 मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं का शुद्धिकरण करवा कर उन्हें वापस हिंदू धर्म में शामिल कराया है. यह घटना शहर के खमरिया थाना क्षेत्र स्थित एक शिव मंदिर में हुई. इन सभी मुस्लिम पुरुषों और महिलाओं ने अपनी मर्जी से हिंदू धर्म अपनाया है।

पंजाब सरहिंद की मस्जिद में अदाकारा के शूटिंग पर एफआईआर दर्ज

(सरहिंद – सदा ए बुलंद न्यूज)मस्जिद में फिल्म की शूटिंग करने पर फिल्म एक्ट्रेस पर पंजाब के शाही इमाम ने दर्ज कराई **FIR...** एक्ट्रेस सोनम बाजवा ने पंजाब के सरहिंद में स्तिथ मस्जिद में आपत्तिजनक सीन शूट किये जिसके बाद पंजाब के शाही इमाम ने फिल्म एक्ट्रेस सोनम बाजवा के खिलाफ FIR दर्ज कराई।

लाल किला ब्लास्ट केस में NIA 3 ने डॉक्टरों समेत 4 लोगों को रिहा किया

रिपोर्ट – कामरान अली दिल्ली –(सदा ए बुलंद न्यूज)हाल ही में दिल्ली ब्लास्ट मामले में बड़ी तेजी से गिरफ्तारियां हुई, जिसमें शक के दायरे में मुस्लिम अस्पताल और मुस्लिम डाक्टर भी चर्चा का विषय बना रहा। गिरफ्तार किए गए मुस्लिम डाक्टर्स से पुछताछ के बाद रिहा कर दिया गया है। रिहा किए गए लोगों में डॉ. रेहान, डॉ. मोहम्मद, डॉ. मुस्तकीम और फर्टिलाइजर व्यापारी दिनेश सिंगला शामिल हैं। जांच में पाया गया कि इनका मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी से कोई ठोस संबंध नहीं था। ये लोग जम्मू–कश्मीर के पुलवामा निवासी

डॉ. उमर के संपर्क में थे, लेकिन जांच में इनके आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिले।**रिहा किए गए लोगों की जानकारी**:डॉ. रेहान डॉ. मोहम्मद डॉ. मुस्तकीम दिनेश सिंगला (फर्टिलाइजर व्यापारी)

जांच की जानकारी:– NIA ने लाल किला ब्लास्ट केस की जांच शुरू की है।

मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी को गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला है कि डॉ. उमर ने लाल किले के पास कार में विस्फोट किया था, जिसमें 13 लोग मारे गए थे। जांच एजेंसियां अभी भी इस मामले में आगे की जांच कर रही हैं।

सहयोग संस्था मदद को पहुंची नाजरीन के घर

रिपोर्ट – खालिद ख़ान (सदा ए बुलंद न्यूज) महानगर के ककरा मोहल्ले में रहने वाली नाजरीन के घर में तीन दिन पहले भयंकर रूप से आग लग गई थी , जिसमें घर का सारा सामान जलकर राख हो गया , घर में कुछ भी नहीं बचा । घटना का पता चलते ही सहयोग संस्था के पदाधिकारी नाजरीन के घर पहुंचे और रोजमर्रा के सारे सामान की व्यवस्था की । संस्था की अध्यक्ष रजनी गुप्ता ब उपाध्यक्ष सरदार अमरदीप खालसा ने कहा कि एक परेशान व्यक्ति की मदद करना हम सभी का उत्तरदायित्व है , जिसको सहयोग संस्था बखूबी निभाना जानती है । संस्था की वरिष्ठ उपाध्यक्ष नुजहत अंजुम ने बताया कि हम

सभी को जैसे ही इस घटना की जानकारी हुई तुरंत हमारे कोर ग्रुप पर चर्चा हुई और सभी साथियों ने कुछ ना कुछ सामान इकट्ठा किया, जिसको एकत्रित कर नाजरीन के घर पहुंचाया गया है । नाजरीन के घर पहुंचने वालों में संस्था के संरक्षक अनिल गुप्ता प्रधान ,शाहनवाज खा एडवोकेट के साथ डायरेक्टर शालू यादव महासचिव विकास सक्सेना , तराना जमाल, कोषाध्यक्ष महेंद्र दुबे, स्तुति गुप्ता , फरहत अंजुम, शहजादुल हक, पुनीत मनीषी, शिवम वर्मा , सरदार हरजीत सिंह , सरदार राजा सिंह आदि सभी सहयोगी के रूप में मौजूद रहे ।।

किताबों से दिलचस्पी रखिए ये इंसानियत का इल्म सीखाती हैं: शेख़ मौलाना शाही

आज की मीटिंग में अखबारों मैगजीन किताबों से जुड़ने के लिए जोर दिया गया

रिपोर्ट: अनीस ख़ान (सदा–ए–बुलंद खीरी) अल मुश्किल कुशा ख़ानक़ाह नेशनल सोसायटी की जानिब से गढ़ी इब्राहीमपुर ग्राम जिला खीरी में दावत ए मदनी व ईमान ए बेदारी नुक्कड़ मीटिंग हुई इस मीटिंग में गांव के जईफ और नौजवान बढ़–चढ़कर शामिल हुए। मीटिंग में सदा ए बुलंद अखबार मैगजीन की टीम और राष्ट्रीय पत्रकार सेकुलर सुरक्षा यूनियन की टीम मौजूद रही इस बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रधान संपादक–शेख़ मौलाना शाही मोहम्मद बहार ए आलम कादरी ने पब्लिक से मुखातिब होते हुए कहा कि आज हमारे देश के नौजवान अपना ज्यादातर समय मोबाइल में मनोरंजन और बेफुजूल विडियो रील में

बर्बाद करने मे कसरत से जुटे हुए हैं। किताबों अखबारों मैगजीन से ज्यादा यू ट्यूब चौनल और गुगल पर भरोसा कर रहे हैं। जरुरी है कि सबसे ज्यादा अखबारों मैगजीन किताबों से रुचि और दिलचस्पी रखना चाहिए। आज मुसलमानों की हालत बुनियादी स्तर पर बहुत ज्यादा ख़राब होती जा रही है। इसकी वजह यह है कि मुसलमानों के घरों में फैशन और जाहिलीयत का माश्अशरा का चलन ज्यादा होने लगा है शादी ब्याह वलीमा , मेजबानी सब कुछ आर्टिफिशियल हो गया है।आलिम ए दीन और उलमाओं से सारे राय मशविरे लेना छोड़ दिया है। यहां तक कि आलीम ए दीन की बुराईयां चुगली गीबत हसद बुग्ज करना शुरू कर दिया है । अल्लाह का डर खौंफ दिलों से निकाल दिया है। इसमें जो लोग अपने आप को पढ़ा लिखा कहते हैं वह भी जाहिलीयत और गुमराही के शिकार हो चुके हैं। सभी को सच्चाई और राह ए हक पर चलने की दावत दी गयी लोगों को सदस्यता दी गई। इस बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस खां, समाज सेवी नबी सलमान,इस्तिखार बेग,सबील खां, रिजवान बेग, सलीम बेग,मुंदन बेग,असीम बेग, सुबराती बेग, हाजी रिफाकत, मोहम्मद जुबैर, गुलफिकार बेग सैकड़ों लोग शामिल हुए

सरकार का सफाई अभियान तो चल रहा है लेकिन सरकारी कार्यालय पुड़िया पान के थूक से लिपे पड़े हैं

(शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूजराष्ट्रीय पत्रकार सेकुलर सुरक्षा यूनियन परिषद के अध्यक्ष अनीस खांन, नबी सलमान और पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक को जिला अधिकारी द्वारा सौपा ज्ञापन, रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए, बैठे थे भूख हड़ताल पर जूस पिलाकर उनको उठाया 'नबी सलमान समाजसेवी पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता है जो अनवरत देश में पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की समस्याओं को उठाता चला आ रहा है और समय–समय पर पत्र के माध्यम से जिला प्रशासन, राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार को भी अवगत कराने का कार्य चलता आ रहा है। एक तरफ तो सरकार स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत की आयोजना बहुत ही सख्ती से चला रहा है दुसरी तरफ सरकारी कार्यालयों तक म में पान पुड़िया का थूका हुआ देखा जा सकता है।अहम् बात तो यह है कि तहसील कचहरी परिसर में हर अधिकारी आता है क्या किसी की नजर नहीं पड़ी उस पर पान पुडिया थूकने की छींटे पड़ी हुई है जो भारत में स्वच्छता के लिए अभियान चलाने की शुरुआत की गई है जिससे प्रदेश में सफाई अभियान कामयाब हो सके। जो थूकें उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए जिसने थूका है उस पर भी तत्काल कार्रवाई

की जाए कैमरे की निगरानी में पोस्टर लगाये जाए,पूर्व में भी ज्ञापन दिया गया था जिस पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गयी, अगर दो दिन में कार्य नहीं की गयी तो अगला कदम उठाने के लिए मजबूर होना पडेगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।बाबा साहब पेंट कर, चाइना मंजे रो हो रही लोगो कि मौत चोकीयों को निर्देश दिया जाए कहीं एक भी पतंग उड़ती नजर आए तुरंत कार्यवाही की जाए और दुर्घटना न हो ।शाहजहांपुर में जगह जगह दीवारों पर शहीदों की प्रतिमाओं को पेंटर द्वारा दीवारों पर लगाया गया। लेकिन उन प्रतिमाओं के आगे बहुत से वाहनों का खड़ा होना और प्रतिमाओं के ऊपर पुड़िया खाकर थूकना अक्सर लोग लघु शंका भी कर देते हैं।बीच रोड पर गाय बैठ जाती है गाय जिसको ट्रक दबाकर चले जाते हैं जिससे गंभीर रुप से घायल हो जाती है। गायों को गौशाला में भिजवाने की व्यवस्था की जायें जिससे घूमने वाली गायों की मृत्यु को टाला जा सके और गौशाला में उनके खाने–पीने की व्यवस्था की जावे,बरेली मोड पर ढग्गामार बसे लगती है जाम बस टैंपू की बजह से चौराहे से 50 मीटर दूर खड़े करे जाएं टैंपू बस जिसकी बजह से हो रही घटनाएं होती है। मंदिर के पास आने जाने वालों को अधिक दिक्कत रोड पर चारों तरफ ब्रेकर बनाए जाएं जिसे कोई दुर्घटना न हो,प्रार्थी इससे पूर्व प्रार्थना पत्र दे चुका परन्तु कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

شتر بے مہار: ایک بستی کی کہانی جو اپنی اصل بھول چکی تھی

(صدائے بُلند نیوز) ۱۵۰۰ سالہ جشن میلاد کی روشنی میں ہمیں اپنی راہ تلاشنی ہوگی، ہمیں سوچنا ہوگا کہ ہماری لگام کہیں کھوتو نہیں گئی اور ہمارا حال بھی اس

عقیل احمد فیضی نقشبندی

بستی جیسا تو نہیں؟) یہ کہانی ایک بستی کی ہے، جس کا نام کبھی "بستیِ امن" ہوا کرتا تھا۔ اس کی بنیاد محبت، احترام اور باہمی تعاون پر رکھی گئی تھی۔ لوگ ایک دوسرے کے دکھ سکھ میں شریک ہوتے، ایک دوسرے کی عزت کرتے اور سب سے بڑھ کر اللہ اور اس کے رسول کی تعلیمات پر عمل کرتے تھے۔ لیکن پھر نہ جانے کیا ہوا، وقت کے ساتھ ساتھ اس بستی پر ایک عجیب سا سایہ منڈلانے لگا۔ ایک ایسا سایہ جس نے اس کی پاکیزگی کو نگل لیا۔ بستی میں ہر طرف ایک عجیب سی بدامنی اور بے یقینی پھیل گئی۔ لوگ ایک دوسرے کے راز تلاش کرنے لگے، ایک دوسرے پر بلاوجہ الزام لگانے لگے۔ کسی کا لباس، کسی کا پیشہ، اور کسی کا عقیدہ سب پر سوال اٹھنے لگے۔ ہر شخص خود کو "مہار" سمجھنے لگا اور دوسروں کو "شتر بے مہار" قرار دینے لگا۔ جب کوئی کسی کی بات سے اختلاف کرتا تو اس پر فوراً گمراہ یا بے دین ہونے کا ٹھپہ لگا دیا جاتا۔ یہ الزام تراشی ایک وبا کی طرح پھیل گئی، اور اس بستی کے لوگ اپنی لگام کھو بیٹھے۔ وہ ایک دوسرے سے بدظن ہو گئے اور یوں بستیِ امن دراصل "بستیِ بدگمانی" میں تبدیل ہو گئی۔ برے اثرات اور تاریک مستقبل اس بے لگام رویے کا سب سے خوفناک اثر یہ ہوا کہ معاشرے کی جڑیں کمزور ہو گئیں۔ نوجوان نسل، جو اس بستی کا مستقبل تھی، سخت پریشان تھی۔ انہوں نے دیکھا کہ ان کے بڑے کس طرح بغیر کسی دلیل کے ایک دوسرے کی عزت اچھال رہے ہیں۔ نئی نسل کے ذہنوں میں اپنی روایات اور اقدار کے بارے میں شکوک پیدا ہو گئے کہ کیا واقعی ہماری تعلیمات ایسی ہیں جو نفرت اور بدگمانی کو فروغ دیتی ہیں؟ بستی میں اتحاد و اتفاق کی جگہ گروہ بندی نے لے لی۔ لوگ مختلف ٹولیوں میں بٹ گئے اور ہر ٹولی دوسرے کو نیچا دکھانے کی کوشش میں لگی رہتی۔ یہ سب دیکھ کر بزرگوں کے دل کڑھتے تھے۔ انہیں ڈر تھا کہ یہ طرزِ عمل ہماری روایات کو تباہ کر دے گا، ہماری نسلوں کو تقسیم کر دے گا اور ہم آنے والے وقت میں ایک ایسے معاشرے کی صورت اختیار کر لیں گے جہاں کوئی کسی پر بھروسہ نہیں کرے گا اور ہر شخص تنہا رہ جائے گا۔

دولت اور جاہ کی ہوس اس سارے بگاڑ کی ایک اور اہم وجہ یہ تھی کہ لوگوں میں عزت و جاہ اور مال و دولت حاصل کرنے کی بے لگام ہوس پیدا ہو گئی تھی۔ انہوں نے اپنے بزرگوں کی تعلیمات اور روایات کو بھلا دیا تھا جو انہیں سادگی، قناعت اور دیانت داری کا درس دیتی تھیں۔ اب ہر کوئی دوسروں سے آگے نکلنا چاہتا تھا۔ اس دوڑ میں وہ اخلاقی قدروں کو بھی پامال کرنے سے باز نہیں آتے تھے۔ جس کے پاس طاقت اور پیسہ ہوتا، وہ سمجھتا کہ اس کا ہر فیصلہ درست ہے اور اس کا ہر عمل جائز ہے۔ اس غرور اور تکبر نے ان کو اندھا کر دیا تھا۔ وہ سمجھتے تھے کہ وہ دوسروں پر الزام لگا کر یا انہیں بے عزت کر کے اپنا رتبہ بڑھا رہے ہیں۔ لیکن درحقیقت، وہ اپنے ہی معاشرے کی بنیادیں کھوکھلی کر رہے تھے اور یوں وہ ایک ایسے راستے پر چل پڑے تھے جو صرف تنہائی اور رسوائی کی طرف لے جاتا تھا۔ اسلامی تعلیمات اور جملہ پریشانیوں کا حل جب بستی کی بدحالی اپنی انتہا کو پہنچ گئی تو لوگوں نے محسوس کیا کہ وہ سب ایک گہری کھائی میں گرتے جا رہے ہیں۔ اس پراگندہ ماحول سے تنگ آ کر وہ ایک جگہ جمع ہوئے، سب کے چہرے پر مایوسی اور دلوں میں بے چینی تھی۔ ان میں سے ایک نے کہا، "ہم نے اپنے ہاتھوں سے اپنی ہی دنیا کو جہنم بنا دیا ہے۔ ہم ایک دوسرے کو دیکھ کر مسکرانا بھول گئے ہیں، ہمارے دلوں میں ایک دوسرے کے لیے صرف بدگمانی رہ گئی ہے۔

دوسرے نے کہا، "ہمیں اس بیماری کا علاج ڈھونڈنا ہوگا، اس سے پہلے کہ ہماری آنے والی نسلیں بھی اسی آگ میں جل جائیں۔" وہ سب اس سوال میں الجھے ہوئے تھے کہ آخر ہم اس مشکل سے کیسے نکلیں اور دوبارہ ایک بہترین اور مثالی معاشرہ کیسے بنائیں؟ اسی اثنا میں ایک دانا شخص خاموشی توڑ کر بولا، "ہم راستہ باہر کیوں تلاش کر رہے ہیں، جب کہ وہ راستہ ہمیشہ سے ہمارے اندر موجود ہے؟ ہماری سب سے بڑی طاقت اور ہمارا سب سے بہترین رہنما ہمارا دین، دینِ اسلام ہے۔" اس کی بات سن کر لوگوں کی آنکھیں کھل گئیں۔ انہیں یاد آیا کہ قرآن اور سنت میں وہ تمام اصول موجود ہیں جنہیں ہم نے فراموش کر دیا۔ انہیں یاد آیا کہ اسلام

ہمیں بلاوجہ کسی پر الزام لگانے سے روکتا ہے، جیسا کہ اللہ تعالیٰ نے فرمایا: ''اے ایمان والو! اگر کوئی فاسق تمہارے پاس کوئی خبر لے کر آئے تو خوب تحقیق کر لیا کرو، ایسا نہ ہو کہ تم کسی قوم کو نادانی سے نقصان پہنچا بیٹھو، پھر تمہیں اپنے کیے پر ندامت ہو۔'' (سورۃ الحجرات: 6) پھر انہیں رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم کا وہ حکم یاد دلایا گیا جس میں آپ نے غیبت اور بدگمانی سے منع فرمایا۔ انہیں یہ سمجھ آ گیا کہ ہم نے ایک دوسرے کی عزت اچھال کر اور ایک دوسرے پر جھوٹے الزام لگا کر اپنے ہی گھر کو آگ لگا دی ہے۔ انہیں یہ بھی یاد آیا کہ کس طرح رسول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا کہ جو شخص دنیا میں کسی مسلمان کی پردہ پوشی کرے گا، اللہ تعالیٰ قیامت کے دن اس کی پردہ پوشی کرے گا۔ (صحیح مسلم)

انہیں سمجھ آیا کہ یہ کھوکھلی عزت و منصب ہے، ہم نے عزت و جاہ کے مفہوم کو ہی مسخ کر دیا ہے۔ آج ہم یہ سمجھ بیٹھے ہیں کہ عزت و جاہ صرف مال و دولت، طاقت اور اختیار سے ملتی ہے۔ اسی کھوکھلی سوچ کے پیچھے بھاگتے ہوئے ہم نے اپنی ان اخلاقی اقدار اور اسلامی تعلیمات کو پاؤں تلے روند ڈالا ہے جو ہمارے بزرگوں کی میراث تھیں۔ یہ ایک شرمناک اور تباہ کن رویہ ہے کہ ہم دنیاوی فائدوں کے لیے جھوٹ، فریب اور بدگمانی کو اپنا شعار بنا لیں اور اپنے ہی بھائیوں کی عزت اچھالیں، محض اس لیے کہ ہم خود کو بڑا اور کامیاب ثابت کر سکیں۔ یہ رویہ ہماری روح کو مردہ کر دیتا ہے اور ہمیں اس منزل کی طرف لے جاتا ہے جہاں کامیابی صرف ایک دھوکہ ہے، جبکہ ہمارے دینِ نے ہمیں عزت و جاہ کا ایک مختلف اور حقیقی معیار سکھایا ہے۔ حقیقی عزت وہ نہیں جو مال سے خریدی جائے، بلکہ وہ ہے جو اللہ کی نظر میں ہو۔ اللہ نے قرآن میں فرمایا ہے: ''بے شک تم میں سے زیادہ عزت والا اللہ کے نزدیک وہ ہے جو زیادہ پرہیزگار ہے۔'' (سورۃ الحجرات:13) یہ ایک واضح پیغام ہے کہ ہماری قدر و منزلت ہمارے اخلاق، ہمارے تقویٰ اور ہمارے کردار سے جڑی ہے۔ سچی عزت اس شخص کی ہے جو عاجزی اختیار کرے، جو لوگوں کے عیوب پر پردہ ڈالے، جو دوسروں کو معاف کر دے اور جو بغیر کسی لالچ کے ان کی مدد کرے۔ یہ تعلیمات سن کر ان کے دلوں میں روشنی پیدا ہوئی اور انہیں اپنی غلطیوں کا احساس ہوا۔ انہیں یہ سمجھ آ گیا تھا کہ ایک بہترین اور مثالی معاشرہ اس وقت تک نہیں بن سکتا جب تک اس کے افراد خود اپنی سوچ اور عمل میں تبدیلی نہ لائیں۔ انہوں نے فیصلہ کیا کہ وہ اب صرف دوسروں کے لیے نہیں بلکہ خود اپنے لیے جئیں گے، اور ہر معاملے میں عدل و درگزر سے کام لیں گے۔ یہ وہی راستہ تھا جو انہیں اس شتر بے مہار کی حالت سے نکال کر ایک مستحکم اور پرامن معاشرے کی طرف لے جا سکتا تھا۔ انہیں سمجھ آ گیا کہ یہی وہ راستہ ہے جو انسان کو دنیا اور آخرت دونوں میں بلندی عطا کرتا ہے۔ انہیں سمجھ آ گیا کہ اپنی روایات اور اسلامی اصولوں پر چل کر ہی ہم وہ عزت اور وقار حاصل کر سکتے ہیں جو کبھی زوال پذیر نہیں ہوگا۔ خلاصہ کلام عزیز قارئین۔ یہ ہے "بستیِ امن" کی کہانی، جو ایک "شتر بے مہار" معاشرے کی مثال بن گئی تھی۔ لیکن انہوں نے اپنا راستہ پہچان لیا، اور اپنی منزل کو پہنچے آج ہمارا معاشرہ بھی اسی شتر بے مہار کی راہ پر چل پڑا ہے، اگر ہم نے آج اس پر غور و فکر نہ کیا تو ہمارا حال کیا ہوگا خدا ہی بہتر جانتا ہے، 1500 سالہ جشن میلاد کا موقع ہے اب وقت آ گیا ہے کہ ہم محسن انسانیت کے ارشاد مبارکہ پر عمل کے لئے اٹھ کھڑے ہوں، آپ نے ارشاد فرمایا تھا،، انما بعثت لاتمم مکارم الاخلاق،، اگر آپ کی بعثت کا مقصد ہی فوت ہو گیا تو ولادت پر چراغاں کا کیا مطلب ہوگا , ہمیں اس عظیم مقصد کے لئے میدان عمل میں آنا ہی ہوگا۔

آخر میں، یہ بات یاد رکھنی چاہیے کہ ہمارا ہر عمل اور ہر لفظ ہمارے معاشرے پر گہرا اثر ڈالتا ہے۔ ہمیں اپنی زبان اور اپنے رویے کو اس طرح سے استعمال کرنا چاہیے کہ وہ نفرت کی دیواریں کھڑی کرنے کے بجائے، محبت کے پل تعمیر کریں۔ ہمیں ایک دوسرے کے لیے رحمت بننا چاہیے تاکہ ہماری بستی دوبارہ "بستیِ امن" بن سکے۔ جسے مصطفیٰ کریم نے 1400 سال پہلے تعمیر کیا تھا دعا ہے مولی تعالیٰ ہمیں اور آپ کو دونوں جہان میں سرخرو فرمائے دعا گو۔ عقیل احمد فیضی نقشبندی 2 ستمبر 2025 مقیم حال دہلی اوکھلا

عیش وعشرت کی خواہشوں سے نکل کر تو دیکھ
کچھ وقت کچی جھونپڑی میں رہ کر تو دیکھ
بڑی مذاق لگتی ہے راہِ حق کی ڈگر
دو چار قدم راہِ حق پر چل کر تو دیکھ
بڑا آسان لگتا ہے کسی کو بے وجہ تڑپانا
کسی کی یاد میں کروٹ بدل کر تو دیکھ

"किरायेदार कभी मालिक नहीं बन सकता" - सुप्रीम कोर्ट

(दिल्ली–सदा ए बुलंद न्यूज) सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला–देश की सर्वोच्च अदालत ने साफ–साफ कह दिया–

किरायेदारी चाहे 5 साल की हो या 50 साल की,मालिक तो मालिक ही रहेगा! हाल ही में आए ज्योति शर्मा बनाम विष्णु गोयल केस में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक टिप्पणी की "किरायेदार मालिक की इजाजत से रहता है, इसलिए प्रतिकूल कब्जे (Adverse Possession) का नियम यहां लागू नहीं होता।" यानी साफ शब्दों में–किराया भरने वाला मालिक नहीं बन सकता, चाहे दशकों तक वहीं क्यों न टिका रहे!

कोर्ट ने कहा: "संपत्ति पर अधिकार हमेशा मालिक का ही रहेगा, और वह कभी भी अपनी संपत्ति वापस पाने का हकदार है।"अब यह फैसला उन तमाम केसों के लिए मिसाल बनेगा, जहाँ किरायेदार मालिकाना हक का दावा करते हैं!

गुरुनानक देवजी के प्रकाश पर्व पर एसपी पहुंचे गुरूद्वारे टेका मत्था, शांति और सद्भाव की कामना की

रिपोर्ट–काशिफ ख़ान

(शाहजहांपुर–सदा ए बुलंद न्यूज) गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर बुधवार को एसपी राजेश द्विवेदी और एसपी सिटी देवेन्द्र कुमार ने गुरुद्वारा श्रीगुरु सिंह सभा कचहरी रोड पहुंचकर मत्था टेका और जनपद में शांति, सद्भाव एवं समृद्धि की कामना की। वहीं, गुरुद्वारा प्रबंधन समिति एवं संगत द्वारा दोनों पुलिस अधिकारियों का स्वागत किया और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एसपी ने गुरुनानक देव के उपदेशोंकृ समानता, भाईचारा, सेवा, सत्य और करुणा को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। एसपी ने कहा कि गुरु नानक देव जी का जीवन मानवता, सत्य और सेवा का प्रतीक है। समाज में शांति और आपसी भाईचारा बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। सभी नागरिक प्रेम, सम्मान और

सहयोग की भावना से एक–दूसरे से जुड़ें तथा कानून का पालन कर शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने गुरुद्वारा परिसर में आयोजित कीर्तन एवं सत्संग में सहभागिता की और संगत से आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात लंगर ग्रहण कर गुरु घर की सेवा–परंपरा का सम्मान किया। इस अवसर पर एसपी ने लोगों से समाज में शांति, भाईचारा और धार्मिक सौहार्द बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। कहा कि वह जनसेवा एवं अमन–चौन की स्थापना हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक महिला बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) ने आत्महत्या कर ली है

रिपोर्ट – कामरान अली (सदा ए बुलंद न्यूज) मृतक महिला की पहचान रिंकू तरफदार के रूप में हुई है, जो एक अंशकालिक शिक्षक थीं और बूथ नंबर 201 की बीएलओ के रूप में तैनात थीं। परिवार का आरोप है कि रिंकू ने मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम के दबाव के कारण आत्महत्या की है। रिंकू ने अपने सुसाइड नोट में चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि वह काम के दबाव को झेल नहीं पा रही थीं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और चुनाव आयोग से एसआईआर की प्रक्रिया स्थगित करने की मांग की है.. यह घटना पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दबाव के कारण बीएलओ की आत्महत्या का दूसरा मामला है। इससे पहले जलपाईगुड़ी में शांति मुनि एक्का नाम की एक अन्य महिला बीएलओ ने आत्महत्या की थी?

S.I.R 19 दिन में 6 राज्यों में 16 बी एल ओ की मौत आत्महत्या, हार्ट अटैक, हादसे में गई जानें:

आस-पास(शाहबाद/हरदोई)

मधुमक्खी के हमले से किसान की मौत, दो घायल

(हरदोई – सदा ए बुलंद न्यूज) हरदोई जिले के सांडी थाना क्षेत्र के सढ़ियामऊ गांव में शुक्रवार को मधुमक्खियों के हमले से एक किसान की मौत हो गई। 40 वर्षीय रामपाल पुत्र खुशीराम खेतों की ओर जा रहे थे, तभी उन पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। लगातार डंक मारने से कुछ ही मिनटों में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जब रामपाल काफी देर तक घर नहीं लौटे, तो उनकी पत्नी रिंकी देवी ने ग्रामीणों के साथ खोजबीन शुरू की। खेत में उनका शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

रामपाल(फाइल फोटो)

इस घटना में गांव के दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। इनमें 40 वर्षीय रामतीर्थ पुत्र रामऔतार और उनके भतीजे 22 वर्षीय राजीव पुत्र राजेश्वर शामिल हैं। दोनों घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी हरपालपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मृतक किसान रामपाल के परिवार में पत्नी रिंकी देवी, दो बेटियां और दो बेटे हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और शव का पोस्टमार्टम कराया गया है...

भारतीय किसान यूनियन अखंड भारत के पदाधिकारियों की क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण से मुलाकात

कृषि एवं ग्रामीण समस्याओं पर हुई चर्चा

रिपोर्ट:वैभव श्रीवास्तव (जनपद हरदोई/ शाहाबाद सदा ए बुलंद न्यूज) तहसील क्षेत्र में आज भारतीय किसान यूनियन अखंड भारत के पदाधिकारियों ने क्षेत्राधिकारी (CO) शाहाबाद आलोक राज नारायण से महत्वपूर्ण मुलाकात की। यह मुलाकात किसानों से जुड़े मुद्दों, ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं तथा संगठन के विभिन्न मांग–पत्रों पर सार्थक संवाद के रूप में रही। मुलाकात के दौरान यूनियन के जिला व ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों ने CO शाहाबाद को क्षेत्र में किसानों द्वारा झेली जा रही प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। इनमें शामिल थे–

फसल नुकसान और मुआवजे की समस्या,समय पर बिजली आपूर्ति व सिंचाई संबंधी दिक्कतें, बटाईदार किसानों की सुरक्षा,राजस्व विभाग से जुड़े लंबित प्रकरण,तथा ग्रामीण इलाकों में हो रही अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग।क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और

भरोसा दिलाया कि–**"किसानों से संबंधित हर समस्या पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जाएगी। कानून–व्यवस्था सुनिश्चित करना और किसानों को न्याय दिलाना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।"**उन्होंने यह भी कहा कि जहाँ भी पुलिस के स्तर से सहायता संभव है, उसे तत्काल प्रदान किया जाएगा तथा आवश्यक मामलों को उच्च अधिकारियों को अवगत कराते हुए समाधान की दिशा में पहल की जाएगी।

यूनियन के पदाधिकारियों ने CO शाहाबाद का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रशासन के साथ ऐसा संवाद क्षेत्र के किसानों को राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और दोनों पक्षों ने आगे भी सहयोग जारी रखने की सहमति व्यक्त की।

यह मुलाकात किसान हितों के संरक्षण, प्रशासनिक समन्वय और क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानी जा रही है।

किराने की दुकान से 24, 500 रुपए की नकदी चोरी

CCTV फुटेज के आधार पर पुलिस चोर की तलाश में जुटी

रिपोर्ट, आलोक सिंह

(हरदोई/शाहबाद–सदा ए बुलंद न्यूज)कोतवाली क्षेत्र के जामा मस्जिद के निकट पुरानी गल्ला किराना व्यापारी रमाशंकर मिश्रा की दुकान से एक किशोर ने 24,500 रुपए की नगदी पार कर दी। किराना व्यापारी पेशाब करने के लिए गया था। किशोर की चोरी करने की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर किशोर की तलाश कर रही है। मोहल्ला दिलेरगंज निवासी रमाशंकर मिश्रा की जामा मस्जिद के निकट किराना की दुकान है। मंगलवार को दोपहर 3:30 बजे वह पेशाब करने के लिए चले गए। इसी बीच एक किशोर ने उनकी दुकान में एक थैली में रखी 24, 500 की नगदी चोरी कर ली। किशोर की यह हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बुधवार को उन्होंने देखा तो उनकी रूपयों की थैली गायब थी। तत्काल उन्होंने सीसीटीवी फुटेज निकाले फुटेज में एक किशोर दुकान में घुसकर नगदी की थैली चोरी करते हुए दिख रहा है। किराना व्यापारी ने पुलिस को तहरीर देकर सीसीटीवी फुटेज भी सौपे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस किशोर की तलाश कर रही है। बुधवार शाम 5:00 बजे से चोर की हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्रशांत सिंह अटल ने सभी वकीलों को कलम वितरण किए

रिपोर्ट – मो. हनीफ खान (हरदोई शाहबाद – सदा ए बुलंद न्यूज) आज जनपद हरदोई तहसील शाहबाद में

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने हरदोई जिला कचहरी में दौरा किया इस दौरान तमाम अधिवक्ताओं के साथ संपर्क किया। उनकी समस्याएं सुनी और आगे बार कोंसिल में चुने जाने के बाद वकीलों की समस्याएं हल करने की हर संभव प्रयास करने का वादा भी किया। सभी वकीलों ने अटल का जोरदार फूल मालार्पण करके स्वागत किया। वकील अटल ने सभी को अपनी तरफ से कलम वितरण किए।

जनपद हरदोई तहसील शाहाबाद में आज प्रशांत सिंह अटल जी प्रत्याशी – सदस्य बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के साथ में अधिवक्ता संत कुमार सिंह गौर (प्रभू जी) लवलेश सिंह संत एडवोकेट, शेर सिंह एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।

स्कूल में गैस रिसाव से हड़कंप16 बच्चों की बिगड़ी तबीयत अस्पताल में भर्ती

रिपोर्ट हम्जा अंसारी

(हरदोई/ शाहबाद– सदा ए बुलंद न्यूज) यूपी के हरदोई संडीला स्थित लायंस पब्लिक स्कूल में गैस रिसाव से 16 बच्चे बीमार और बेहोश हो गए, जिससे हड़कंप मच गया. सभी बच्चों को इलाज के लिए दो निजी अस्पतालों को ले जाया गया, जहां से एक बच्चे को लखनऊ भेजा गया है. डीएम एसपी अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और बच्चों का हाल जाना है

महिलाओं से जबरन वसूली पैसा मांगने पर हुआ हंगामा

वैभव श्रीवास्तव– रिपोर्ट(हरदोई –सदा ए बुलंद न्यूज)ग्राम पंचायत सिंगोहा एलिमपुर में आवास के नाम पर धंधा! ग्राम प्रधान गीतेश उर्फ राजवीर का धनउगाही वीडियो वायरल योगी सरकार की सख्ती के बाद भी नहीं थम रही अवैध वसूली, महिलाओं से 15,000 रुपये लेकर किया गया छल जिला हरदोई के विकास खंड टोडरपुर के ग्राम पंचायत सिंगोहा एलिमपुर में भ्रष्टाचार का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान गीतेश उर्फ राजवीर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों का नाम जोड़ने के नाम पर महिलाओं से 15,000 रुपये की अवैध वसूली करता दिखाई दे रहा है। ग्राम की कई महिलाओं ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने आवास दिलाने का लालच देकर उनसे 15,000–15,000 रुपये वसूले। लेकिन जब महीनों बीत जाने के बावजूद आवास सूची में उनका नाम नहीं आया और महिलाओं ने अपने पैसे वापस मांगे, तो ग्राम प्रधान गीतेश उर्फ राजवीर बुरी तरह भड़क उठा।

वायरल वीडियो में वह महिलाओं पर चिल्लाता,धमकाता और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता साफ सुना जा सकता है। ग्रामीणों में भारी रोष, योगी सरकार की योजना

राजकीय होम्योपैथिक दवाखाना बना भ्रष्टाचार का अड्डा-फार्मासिस्ट के हवाले मरीजों की जिंदगी

रिपोर्टः हनीफ़ ख़ान (शाहाबाद/हरदोई सदा ए बुलंद न्यूज) शासन की मंशा जनता को सस्ती और असरदार चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की है, लेकिन शाहाबाद का राजकीय होम्योपैथिक दवाखाना सरकारी प्रयासों का खुला मजाक उड़ाता नजर आ रहा है। स्वास्थ्य सेवा के नाम पर यह दवाखाना आज पूरी तरह शोपीस बनकर रह गया है। व्यवस्था ऐसी कि डॉक्टरों का अता–पता नहीं और मरीजों की जिंदगी फार्मासिस्ट के हवाले चल रही है।दवाखाने का सरकारी समय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है, लेकिन हकीकत में दवाखाना करीब12 बजे खुलता है और 2 बजे ताला लग जाता है। फार्मासिस्ट अजय कुमार सिंह रोजाना लगभग 11:50 बजे पहुंचते हैं और मुश्किल से दो घंटे बाद दवाखाने को बंद कर निकल जाते हैं। इस लापरवाही का सबसे बड़ा खामियाजा गरीब मरीजों को भुगतना पड़ रहा है, जिन्हें इलाज के लिए कई–कई घंटे भटकना पड़ता है।दवाखाने के बाहर न बोर्ड है, न समय–पट्टिका, न ही कोई सूचना। मरीजों को ये तक नहीं पता चलता कि डॉक्टर किस समय आएंगे या आएंगे भी या नहीं। ग्रामीणों का कहना है कि दवाखाना किसी सरकारी संस्थान की जगह एक निजी दुकान की तरह संचालित किया जा रहा है, जहां नियमों का खुला उल्लंघन होता है।सबसे बड़ा खुलासा यह है कि एक रुपये के सरकारी पर्चे पर इलाज के नाम पर मरीजों को बाहरी दवाओं की लंबी लिस्ट थमा दी जाती है, जिन पर मोटा कमीशन पहले से तय रहता है। जबकि वास्तविकता यह है कि दवाएं सरकारी खर्च पर उपलब्ध होनी चाहिए, लेकिन यहां फार्मासिस्ट ही दवा लिखने, देने और पूरा दवाखाना चलाने का काम करते हैं। डॉक्टर केवल कागजों पर मौजूद हैं, जबकि जमीनी हकीकत पूरी तरह अलग है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह बदहाली कोई नई नहीं, बल्कि कई वर्षों से यही व्यवस्था चल रही है। निरीक्षण, जांच और शासन की योजनाएं सब कागजों में ही सीमित हैं, जबकि दवाखाने में भ्रष्टाचार और लापरवाही का खेल खुलेआम जारी है।अब बड़ा सवाल यह है कि

जिम्मेदार अधिकारी कब कार्रवाई करेंगे? क्या यह दवाखाना केवल "रिकॉर्ड में सक्रिय" दिखाने के लिए चलाया जा रहा है? क्या जनता की सेहत के साथ यूं ही खिलवाड़ होता रहेगा?जब इस संबंध में हरदोई के होम्योपैथिक मुख्य चिकित्सा अधिकारी से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि फार्मासिस्ट अजय कुमार सिंह पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। अब देखने वाली बात यह है कि विभाग वास्तविक कार्रवाई करता है या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा, और जिले में अव्यवस्थाओं का यह सिलसिला ऐसे ही चलता रहेगा।ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से दखल की मांग करते हुए कहा कि जिम्मेदार डॉक्टरों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि जनता को वास्तविक चिकित्सा सुविधा मिल सके और सरकारी धन की लूट पर रोक लग सके।

हिंदू उपद्रवियों ने मिर्जापुर की जामा मस्जिद में आग लगा दी,जान बचा कर भागे इमाम

(उत्तर प्रदेश मिर्जापुर– सदा ए बुलंद न्यूज) 26 नवंबर को उत्तर प्रदेश मिर्जापुर मोची टोला मोहल्ले में स्थित जामा मस्जिद में मंगलवार की भोर में पौने तीन बजे पांच हिंदू उपद्रवियों ने आग लगा दी।मस्जिद के रास्ते से घटना के समय पीरवाजी शहीद निवासी साहिल गुजर रहा था। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ है। अपने भाई सागर की तलाश के लिए देर रात में निकला था। खोजबीन करने के बाद घर लौट रहा था। इस दौरान उसने मस्जिद में आग की लपट देखा। शोर मचाने के साथ ही मस्जिद में रहने वाले पेश इमाम जाहिद कादरी को आवाज देकर जगाया। दोनों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाया। साहिल ने बताया कि वह मौके से तीन युवकों को भागते हुए देखा। फजिर की नमाज के समय घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग जुट गए। आग से चौनल गेट, लकड़ी का दरवाजा और बाईं ओर स्थित हुजरे में दरी बुनने का कारखाना जल गया है। चौनल गेट पर तोड़फोड़ के निशान मिले। घटना की जानकारी मिलने पालिकाध्यक्ष मंसूर अहमद भी पहुंचे। एसडीएम राजेश वर्मा, चुनार कोतवाल विजय शंकर सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे थे।

सीसीटीवी कैमरे को खंगाला, पुलिस–पीएसी तैनात

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला। मस्जिद के बाहर पुलिस, पीएसी बल को तैनात कर दिया गया है। पुलिस को एक प्लास्टिक का झोला और एक जोड़ी चप्पल मौके पर मिला है। सीओ सदर अमर बहादुर ने बताया कि मामले में मस्जिद के मुतव्वली इकबाल उर्फ गुड्डू राईन की तहरीर पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ उपासना स्थल का अपमान करने और विस्फोटक पदार्थ का उपयोग कर उसे जलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है।

देर शाम पुलिस ने पांचों आरोपी रंजीत सेठ निवासी मोची टोला, रोहित गुप्ता निवासी टेकौर, गणेश उर्फ कृष्णा निवासी गोला बाजार, प्रिंस मौर्या निवासी सद्दूपुर व रोशन निवासी गोला बाजार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब के नशे में उन्होंने घटना को अंजाम दिया। सोचने की बात है कि आज तक ऐसी घटनाएं कभी भी सामने नहीं आई हैं जो देश में अब हर दिन मस्जिद मदरसों मजारातों मकबरों पर हमले हो रहे हैं। क्या बात यही पर खत्म हो जाती है कि पांच हिंदू उपद्रवियों ने पूरी मस्जिद जला दी और उन्हें सिर्फ शराबी कहकर साधारण सी सजा देकर बात रफा दफा कर दी जाए। आज योगी का बिल्डोजर कहां,वह जुमला कहां हैं जो मुसलमानों के लिए मुख्यमंत्री बोलते हैं,कि मिट्टी में मिला देंगे..... फलां भूल गया कि शासन किसका है.... जहन्नुम पहुंचा देंगे.... कहीं न कहीं तो हमारे देश का सौंदर्यीकरण का समीकरण बदलने की कोशिश जरूर की जा रही है। ये सोचना और समझना जरूरी है।

- आखिर इन्हें ताकत और हिम्मत कहां से मिल रही है ?
- क्या अब मुस्लिम धार्मिक स्थल सुरक्षित नहीं हैं ?
- मस्जिद मदरसों मजारातों मकबरों पर
- आए दिन हमले घटनाएं बढ़ने की क्या वजह

कठिन परिश्रम और संघर्ष इंसान की शिखर की मंजिल तय करता है: शेख़ मौलाना शही

सदा ए बुलंद अखबार की टीम गांव कस्बों शहरों में नुक्कड़ मीटिंग करके समाज को जागरूक कर रही है।

(शाहजहांपुर/सदा ए बुलंद न्यूज) सदा ए बुलंद अखबार एजेंसी मुख्य कार्यालय मोहल्ला मामूडी शाहजहांपुर में ओनर प्रधान संपादक शेख़ बहार ए आलम कादरी रजवी की अध्यक्षता में पत्रकारों के साथ एक अहम् मीटिंग की गई जिसमें सामाजिक साहित्यिक अदबी तहजीबी संस्कारी गतिविधियों पर चर्चा की गई इस दौरान शेख़ मौलाना शाही ने कहा कि हमारे शहर में जो भी काबिल हुनरमंद कारीगर हैं जिन्होंने कड़ी मेहनत मशक्कत करके समाज में कौशल विकास की नई ज्योति जलाई है जिनका समाज के लिए काफी योगदान रहा है उन लोगों को सदा ए बुलंद अखबार सम्मानपूर्वक आगे बढ़ावा देने में तत्पर सहयोग निभाएगा। और पूरी टीम इस पर जमीनी स्तर पर काम कर रही है। इस बीच शेख़ मौलाना शाही बहार ए आलम क़ादरी रजवी, रेहान दानाई, काशिफ ख़ान, जोया खान, नईम अंसारी, कामरान अली, खालिद खान , इस्तिखार बेग, आदि लोग उपस्थित रहे

मौलाना कल्बे सादिक मरहूम की याद में बरसी की मजलिस मुकम्मल

रिपोर्ट: माहिर रिजवी (सदा ए बुलंद न्यूज) मौलाना कल्बे सादिक पद्मभूषण मौलाना डा0 कल्बे सादिक मरहूम की बरसी की मजलिस दिनांक 22 नवम्बर 2025, शनिवार को रात में 7 बजे इमामबाड़ा गुफरॉमआब,चौक लखनऊ में आयोजित हुई जिसको इस्लामिक विद्वान मौलाना तस्दीक हुसैन रिजवी ने संबोधितकिया मौलाना डा0 कल्बे सादिक मरहूम ने अपना पूरा जीवन मुसलमानों में आधुनिक और साइंटीफिक शिक्षा के उत्थान और आपसी सौहार्द एवं सद्भावना के प्रोत्साहन के लिए समाज में व्यतीत किया। मौलाना कल्बे सादिक (22 जून 1939 – 24 नवंबर 2020) एक भारतीय इस्लामी विद्वान, सुधारक और परोपकारी थे। वह 'ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड' के उपाध्यक्ष थे और अपनी उदारवादी सोच के लिए जाने जाते थे। उन्होंने शिक्षा, विशेषकर लड़कियों की शिक्षा, के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए और हिंदू–मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। आपने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और गरीब छात्रों को शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के लिए 'तौहीदुल मुस्लिमीन ट्रस्ट' की स्थापना की थी। आप का निधन 24 नवंबर 2020 लखनऊ में 81 वर्ष की अवस्था में हुआ।उन्हें मरणोपरांत 2021 में भारत सरकार द्वारा 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया था। आपने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और गरीब छात्रों को शैक्षणिक सहायता प्रदान करने के लिए 'तौहीदुल मुस्लिमीन ट्रस्ट' की स्थापना की थी।

महंगी दवा से बेहतर है मुँह की लार

आपके मुंह की लार में ही छुपा है आपकी तंदरुस्ती का राज

आपको ये जानकारी होना बहुत जरूरी है कि जो हम आप खाना खाते पीते हैं। और जो हमारे मुंह में जीभ के नीचे एक स्पीड में लार निकलती है ये हमारे खाने में सबसे ज़्यादा ताकत पैदा करती है और हमारे खाने की पाचन शक्ति को बढ़ाती है। हजम करने में अपनी अहम् भूमिका निभाने में कारगर साबित होती है। हर व्यक्ति को जीभ के नीचे निकलने वाली लार को बर्बाद नहीं करनी चाहिए। सबके ज्यादा पुड़िया खाने वाले लोग इसको बर्बाद कर देते हैं क्योंकि वह हर वक्त मुंह में पुड़िया चबाते रहते हैं और थूकते रहते जिसके कारण सारी लार पुड़िया के साथ बाहर थूक देते इसकी वजह से उनके शरीर में मौजूद प्रोटीन कैल्शियम आयरन व विटामिन्स ख़त्म होने लगते हैं और और उनके शरीर में ख़ून की कमी हो जाती है चेहरे का ग्लोबल ख़त्म हो जाता है और वह कैंसर,टीबी,टायफायड जैसी बड़ी बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। लार शरीर के लिए बहुत ही बड़ी औषधि है।

इसमें औषधीय गुण बहुत अधिक है। किसी चोट पर लार लगाने से चोट ठीक हो जाती है। लार पैदा होने में एक लाख ग्रन्थियों का काम होता है। जब कफ बहुत बढ़ा हुआ हो तभी आप थूक सकते हैं अन्यथा लार कभी नहीं थूकना चाहिए। सुबह की लार बहुत क्षारीय होती है। इसका PH 8.4 के आस–पास होता है।पान बिना कत्था, सुपारी और जर्दे (तम्बाकू) का खाना चाहिए जिससे कि उसकी लार को थूकना न पड़े। कत्था और जर्दा कैंसर करता है इसलिए इसे लार के साथ अन्दर नहीं ले सकते हैं। गहरे रंग की वनस्पतियाँ कैंसर, मध् गुमेह, अस्थमा, जैसी बीमारियों से बचाती हैं। पान कफ और पित्त दोनों का नाश करता है। चूना वात का नाश करता है। जिस वनस्पति का रंग जितना ज्यादा गहरा हो वह उतनी ही बड़ी औषधि है।

देशी पान (गहरे रंग वाला जो कसेला हो) गेहूँ के दाने के बराबर चूना मिलाएं, सौंफ मिलाएं, अजवाइन डालें, लौंग, बड़ी इलायची, गुलाब के फूल का रस (गुलकन्द) मिलाकर खायें।

ब्रह्म मुहूर्त की लार अथवा सुबह उठते ही मुँह में जो लार होती है, वह बाकी के समय से ज्यादा फायदे–मन्द होती है। इसलिए सुबह उठते ही ये लार अन्दर जानी ही चाहिए।शरीर के घाव जो कि किसी दवा से ठीक नही हो रहे हों, उन परं सुबह उठते ही अपनी बासी मुँह की लार लगानी चाहिए। 15–20 दिन में घाव भरने लगता है और 3 महीने के अन्दर घाव पूरी तरह ठीक हो जायेगा। गैंगरिन जैसी बीमारी 2 साल में ठीक हो जायेगी। जानवर अपना सब घाव चाट–चाट कर ठीक कर लेते हैं।लार में वही 18 पोशक तत्व होते हैं जो कि मिट्टी में होते हैं। शरीर पर किसी भी प्रकार के दाग–धब्बे हो, सुबह की लार लगाते रहने से 1 साल के अन्दर सब ठीक कर देती है। एक्जिमा और सोराइसिस जैसी बीमारियों को भी सुबह की लार से ठीक कर सकते हैं। 1 साल के अन्दर परिणाम मिल जाते हैं।

सुबह की लार आँखों में लगाने से आँखों की रोशनी बढ़ती है और आँखों के चश्में उतर जाते हैं। आँखें लाल होने की बीमारी सुबह की लार लगाने से 24 घण्टे के अन्दर ठीक होती है। सुबह–सुबह की लार, आँखें टेढ़ी हो अर्थात आँखो में भेंगापन की बीमारी हो, को सही कर देती है।आँखों के नीचे के काले धब्बों के लिए रोज सुबह की लार (बासी) लगायें। सुबह उठने के 48 मिनट के बाद मुँह की लार की क्षारीयता कम हो जाती है।जितने भी टूथपेस्ट है सब एंटी–एल्क्लाइन है। इसमें एक केमिकल होता है, सोडियम लारेल सल्फेट जो लार की ग्रंथियों को पूरी तरह से सुखा देता है।नीम की दातून चबाते समय बनने वाली लार को पीते रहना चाहिए।

मुधुमक्खियां इंसान के लिए सेहत का ख़ज़ाना उबलती है

सदा ए बुलंद न्यूज)मधुमक्खियाँ प्रकृति की जीवों में से एक हैं। क्या आप जानते हैं कि करीब 12 मधुमक्खियों का पूरा जीवन लग उन्हें लगभग 30,000 फूलों का रस इकट्ठा तक उड़ान भरनी पड़ती है। हर मधुमक्खी चम्मच शहद बनाती है, लेकिन मिलकर तक शहद तैयार कर लेता है।

शहद बनने की प्रक्रिया भी एकत्र करती हैं, उसे अपने "हनी स्टमक" एक–दूसरी मधुमक्खी को देती हैं। इस जाती है और एंजाइम जोड़े जाते हैं, शहद में बदल जाता है।लेकिन तक सीमित नहीं है। वे दुनिया की लगभग करती हैं कृ जिससे न सिर्फ भोजन पारिस्थितिकी भी संतुलित रहती है।

सबसे छोटी लेकिन सबसे मेहनती सिर्फ एक चम्मच शहद बनाने में जाता है? एक चम्मच शहद के लिए करना पड़ता है और करीब 750 मील अपने पूरे जीवन में केवल 1/12 एक छत्ता साल में लगभग 60 पाउंड

अद्भुत है। मधुमक्खियाँ फूलों से रस में जमा करती हैं, और फिर प्रक्रिया में पानी की मात्रा घटाई जिससे यह रस धीरे–धीरे सुनहरे मधुमक्खियों का योगदान सिर्फ शहद 70: फसलों के परागण में मदद उत्पादन संभव होता है, बल्कि पूरी

अगर मधुमक्खियाँ न रहें, तो हमारी फसलें और पेड़–पौधे भी लंबे समय तक नहीं टिक पाएंगे। इसलिए, इन नन्ही इंजीनियरों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है – क्योंकि वे सिर्फ शहद नहीं, जीवन की मिठास बनाती हैं।

जिंदगी में हम कौन सा किरदार निभा रहे हैं!

'जिन्दगी का सच 'पुस्तक समीक्षा

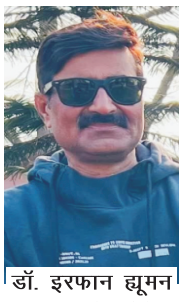

डॉ. इरफान ह्यूमन

''हमारा गुरू हमारे अंदर बैठा है'', यह कथन भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, जैसे अद्वैत वेदांत, योग या ओशो जैसी शिक्षाओं से प्रेरित लगता है, जहाँ यह संकेत करता है कि सच्चा ज्ञान या मार्गदर्शक बाहरी नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही विद्यमान है। लेकिन यह तथ्य कहाँ तक सत्य है? इसको अच्छी तरह समझाया गया है पुस्तक 'जिंदगी का सच' में।

इस पुस्तक को सात अध्यायों में बांटा गया है जैसे–पुस्तक की गरिमा, एक प्रयोग, लेखक परिचय, जिंदगी का सच, प्रथम अध्याय, द्वितीय अध्याय, तृतीय अध्याय, चतुर्थ अध्याय, पांचवां अध्याय और सातवां अध्याय। पुस्तक गरिमा में लेखक ने स्पष्ट किया है कि आदमी का गुरू आदमी के अंदर अंतरात्मा के रूप में बैठा है। जो आदमी अपने गुरू को पहचानता है, उसकी सगति में बैठता है, उसका आदर करता है, गुरू में श्रद्धा और विश्वास करते हुए उसकी आज्ञा का पालन करता है, वह आदमी अपने अपनी जिंदगी में चटकीले रंग की साड़ी पहनने वाली माया से कभी धोखा नहीं खा सकता।

''जिंदगी का सच'' आदमी को उसकी जिंदगी की वास्तविकता से रूबरू करवाता है। अगर आपकी जिंदगी, जीवन पथ पर बिना किसी अवरोध के सरपट भाग रही है, तब आप समझिये कि आप भाग्यशाली इंसान हैं। आपकी जिंदगी जितनी अधिक सरल और आसान है, आप उतना अधिक भाग्यशाली हैं। आप भाग्यशाली क्यों हैं, इस पुस्तक में लेखक इसके जवाब प्रस्तुत कर रहा है।

इस पुस्तक में एक प्रयोग को अंजाम दिया गया है। पाठक की ऊर्जा कितने प्रतिशत सकारात्मक तथा नकारात्मक है, इसकी जांच के लिए पूरी पुस्तक में जगह–जगह एक सो गलतियों रखी गई हैं। जिस पाठक की नजर में कोई भी गलती नहीं आएगी, वह पूर्णतः सकारात्क होगा। पाठक को अपनी जांच पूरी ईमानदारी पूर्वक करना है। अगर नकारात्मक ऊर्जा है तो उसे दूर करने के लिए अपने दृष्टिकोण को और अधिक सकारात्मक बनाना होगा क्योंकि सकारात्मक दृष्टिकोण सकारात्मक सोच की जननी है। सकारात्मक सोच ज़िंदगी में उन्नति की सीढ़ियां हैं। नकारात्मक सोच अपने लिए प्रकृति से नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करती है।

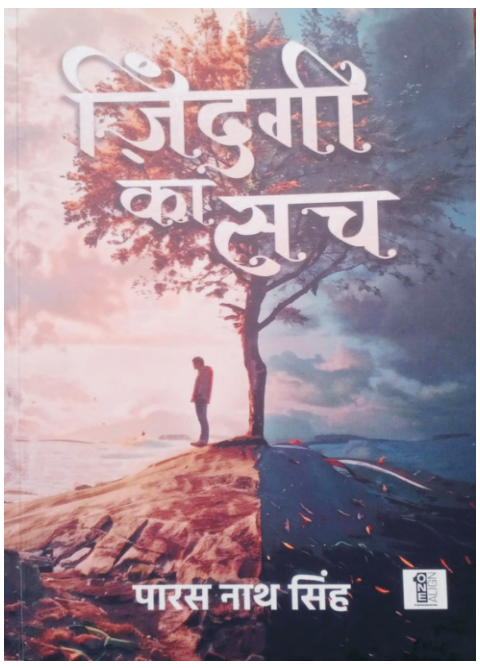

ईश्वर, आत्मा या अंतर्ज्ञान (इंट्यूशन) हमारी आंतरिक शक्ति है, जो हमें सही–गलत का बोध कराती है। रामकृष्ण परमहंस या स्वामी विवेकानंद जैसे संतों ने कहा है कि 'सच्चा गुरु वह है जो शिष्य को स्वयं के भीतर झाँकने को कहे।' ओशो ने भी कुछ इसी तरह के विचार व्यक्त किए हैं कि बाहरी गुरु तो केवल आईना हैंय असली गुरु तो 'मैं' ही हूँ। यह उन लोगों के लिए बिल्कुल सत्य है जो ध्यान, स्वाध्याय या आत्म–चिंतन से जुड़े हैं। उदाहरणस्वरूप, भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं, 'आत्मसंयमी पुरुष को बाहरी सुख–दुख छू ही नहीं सकते।' लेकिन अगर व्यक्ति अज्ञान में डूबा है, तो भीतरी गुरु श्सोयाश् रहता है, उसे जगाने के लिए बाहरी प्रेरणा की जरूरत पड़ती है।

मनोविज्ञान में इसे 'इंट्रापर्सनल कम्युनिकेशन' या 'सेल्फ–ट्रस्ट' कहा जाता है। कार्ल जंग ने 'अनकॉन्शियस' को आंतरिक गुरु माना, जो सपनों या अंतर्दृष्टि के माध्यम से मार्ग दिखाता है। आधुनिक थेरेपी (जैसे सीबीटी) में भी खुद से बात करना सिखाया जाता है। शोध बताते हैं कि तनाव या अवसाद में लोग अपनी अंतर्ज्ञान पर भरोसा खो देते हैं, और तब बाहरी काउंसलर की मदद जरूरी हो जाती है। उदाहरण के लिए एक अध्ययन (एपीए जर्नल से) दिखाता है कि 60 प्रतिशत लोग अंतर्ज्ञान से निर्णय लेते हैं, लेकिन जटिल स्थितियों में यह विफल हो जाता है।

इस दिशा में विज्ञान कहता है कि हमारा मस्तिष्क (खासकर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स) निर्णय लेने का केंद्र है, जो अनुभवों से सीखता है। लेकिन यह 'गुरु' जन्मजात नहींय यह शिक्षा, अनुभव और पर्यावरण से विकसित होता है। जीवन के बुनियादी स्तर (जैसे नैतिकता) हम अंदर से ही सीखते हैं, लेकिन नई स्किल्स (जैसे सर्जरी या प्रोग्रामिंग) के लिए बाहरी गुरु जरूरी हैं। न्यूरोसाइंस में 'मिरर न्यूरॉन्स' की अवधारणा बताती है कि हम दूसरों से सीखकर खुद को अपडेट करते हैं।

पुस्तक के अन्तिम अध्याय में लेखक ने एक अनजाने सफर का जिक्र किया है और वह है मृत्यु। मृत्यु एक ऐसा सफर है जिसमें हमको मंजिल का पता नहीं। यह कैसी आश्चर्य की बात है कि जो सफर जन्म से निश्चित है, सारी जिंदगी बीत गई, सफर पर निकलने का वक्त आ गया, लेकिन जाना कहां है, यह तय नहीं है। वास्तव में मृत्यु भी जिंदगी का एक उत्सव है, हमें भी हर हाल में एक न एक दिन इस उत्सव का हिस्सा बनना है।

NSD Opens Its 6th Centre in Mumbai

Report - Irfan Khan

(Mumbai - Sada e buland News)

NSD is delighted to announce the inauguration of its newest campus in the nations commercial capital Mumbai!Located at 603, Durga Chamber, Veera Desai Road, Andheri (West), Mumbai400058, the Centre launched its One-Year Acting Programme, designed to equip aspiring actors with the skills and discipline needed to excel in the world of performance.The ceremony was graced by PadmaShri Prof Bharat Gupt,Vice Chairperson,NSD Society (virtually), Shri Chittaranjan Tripathy, Director, NSD; Shri Pradeep K. Mohanty, Registrar, NSD; and Shri Santanu Bose, Dean (Academics) & Associate Professor, NSD, who shared their vision for this new chapter.We extend our heartfelt gratitude to our distinguished guests Padma Shri Prof. Ram Gopal Bajaj, Former Director, NSD, and Padma Shri Prof. Waman Kendre, Former Director, NSD for their gracious presence and inspiring words .

Several NSD alumni and renowned theatre personalities also joined us, offering their warm wishes and valuable insights .

The opening of this Centre is the fruition of the Director NSDs vision, supported by the Ministry of Culture and the NSD Society, and strengthened by the consistent efforts of the Dean, Registrar, and NSDs academic and administrative staff.Narendra ModiGajendra Singh ShekhawatRao Inderjit SinghAmrit MahotsavMinistry of Culture, Government of IndiaPress Information Bureau - PIB, Government of India.

शाहजहांपुर में के–के दीक्षित ने फिर से एक विवादित पोस्ट किया है

जहरीले बोल बोलकर एक बार फिर शहर में साप्रदायिकता का माहौल बनाने की कोशिश

(सदा ए बुलंद न्यूज) महीने भर पहले शहर में मुस्लिम धर्म के बारे में सोशल मिडिया पर अभद्र गालियाँ लिखने वाला दीक्षित जेल से रिहा होते ही फिर वही कायराना हरकत की जिसके बाद सदर बाजार पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी के अनुसार, के–के दीक्षित के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा। इससे पहले भी यह विवादित पोस्ट कर जेल जा चुका है जमानत पर बाहर आता ही फिर से की इसने सर्वनाक हरकत।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं प्रधान सम्पादक
बहार मोहम्मद
द्वारा लव-कुश प्रिंटर्स, बाड़ूजई पेशावरी (आदर्श नगर कालोनी) शाहजहांपुर-242001 से मुद्रित एवं 2, नियर पक्का तालाब बरादरी जिला शाहजहांपुर (उ.प्र.) 242001 से प्रकाशित एवं वितरित प्रधान सम्पादक **बहार मोहम्मद**
मो0 नम्बर 9565100392-9453556135
sadaebulandmgzn@gmail-com
नोट- समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र शाहजहाँपुर (उ.प्र.) होगा।